



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 311]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 5, 2009/आश्विन 13, 1931

No. 311]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 5, 2009/ASVINA 13, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 2009

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण., थाइलैंड और वियतनाम के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पोलिएस्टर के “सभी पूर्णतः ड्रॉन या पूर्णतः ओरिएन्टेड यार्न/स्पिन ड्रॉ यार्न/फ्लैट यार्न (नॉन-टेक्सचर्ड और नॉन-पीओवाई) और अन्य यार्नों के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/3/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमा-शुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

क. पृष्ठभूमि तथा प्रक्रिया

2. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- (i) उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) को घरेलू उद्योग की ओर से एसोसिएशन ऑफ सिथेटिक फाइबर इंडस्ट्री द्वारा दायर एक आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जन. गण., थाइलैंड और वियतनाम (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पोलिएस्टर के सभी पूर्णतः ड्रॉन या पूर्णतः ओरिएन्टेड यार्न/स्पिन ड्रॉ यार्न/फ्लैट यार्न (नॉन-टेक्सचर्ड और नॉन-पीओवाई) और अन्य यार्नों (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था।

- ii) प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर चीन जन.गण. थाइलैंड और वियतनाम के मूल की/या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित जांच की शुरुआत करना उचित समझा। प्राधिकारी ने नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार इस जांच की शुरुआत करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया ।
- iii) प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 6.5.2008 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी जिसमें संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के अध्याय-54 के अंतर्गत वर्गीकृत संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत की गई थी ।
- iv) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी के पास उपलब्ध थे) को भेजी थी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें इस पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर दिया ।
- v) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी के पास उपलब्ध थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी थी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार इस पत्र को जारी करने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उनके विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।
- vi) वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशक (डीजीसीआईएंडएस), कोलकाता से जांच अधिकारी और उस पहले के तीन वर्षों के लिए भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था । तथापि, सीमाशुल्क शीर्ष 52.07 के अंतर्गत सौदा-वार ब्यौरे डीजीसीआईएस के पास उपलब्ध नहीं थे । अतः इन जांच परिणामों में अम्मोर्टल कम्प्यूटर लैब प्रा.लि. के आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया गया है ।
- vii) प्राधिकारी ने संबंधित नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और दूतावासों को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां उपलब्ध कराई । अगोपनीय आवेदन की एक प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई गई थी ।
- viii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों से संगत सूचना मंगाने के लिए एक प्रश्नावली भेजी थी ।
- ix) अन्य निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने इस जांच के संबंध में सूचना उपलब्ध नहीं कराई है, को असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है ।

- x) बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार (एमईटी) प्रश्नावली सभी ज्ञात निर्यातकों और चीन जन.गण. तथा वियतनाम के दूतावासों को भेजी गई थी। यद्यपि, जांच शुरूआत के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. और वियतनाम में सामान्य मूल्य को चीन जन.गण. और वियतनाम में संबद्ध वस्तु की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर माना गया था, तथापि प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को सूचित किया था कि वह यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और पैरा 8 के आलोक में आवेदक के दावे की जांच करने का प्रस्ताव करते हैं। चीन जन.गण. और वियतनाम से संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से इसलिए पैरा-ग्राफ 8 के उप-पैरा-ग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार करने में सक्षम हो सकें कि क्या सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जाए।
- xi) इस जांच में सूचना प्रदान नहीं करने वाले आयातकों/प्रयोक्ताओं को असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है।
- xii) आवेदक और अन्य घरेलू उत्पादकों से भी क्षति के संबंध में सूचना मांगी गई थी।
- xiii) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय अंश प्राधिकारी द्वारा रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा था।
- xiv) लागत संबंधी जांच सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने और बेचने में आने वाली लागत ज्ञात करने के लिए की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xv) प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद समस्त हितबद्ध पक्षकारों से प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपनी टिप्पणियां दायर करने के लिए कहा गया था।
- xvi) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए दिनांक 5-5-09 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। हितबद्ध पक्षकारों से लिखित अनुरोध और उत्तर दायर करने के लिए कहा गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों और उत्तरों पर इन जांच परिणामों में संगत समझी गई सीमा तक विचार किया गया है।
- xvii) निर्यातकों के आंकड़ों का आवश्यक समझी गई सीमा तक मौके पर सत्यापन किया गया था।

२८ अपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इन जांच परिणामों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार का खुलासा ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया है और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया गया है।

इस अधिसूचना में *** चिन्ह हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई हैं अनियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को प्रदर्शित करता है।

२९ इह जांच एक अक्टूबर, 2006 से शुरू होकर 30 सितंबर, 2007 (12 महीने) की अवधि अर्थात् जांच अवधि (पीओआई) के लिए की गई थी। क्षति संबंधी विश्लेषण के अंतर्गत २००५ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007 की अवधि और जांच अवधि शामिल हैं।

विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

३० ऑलिएस्टर के सभी पूर्णतः ड्रॉन या पूर्णतः ओरिएन्टेड यार्न/स्पिन ड्रॉ यार्न/फ्लैट यार्न (सार्चर्ड और नॉन-पीओवाई) और अन्य यार्न जो सीमाशुल्क शीर्ष 5402.47 के टैरिफ़ विनियम के अनुरूप हैं।

३१ इस उत्पाद को वाणिज्यिक बाजार शब्दावली में सामान्यतः "पूर्णतः ड्रॉन यार्न" कहा जाता है। संबद्ध वस्तु का प्रयोग परिधान/घरेलू वस्त्र, और अन्य औद्योगिक वस्त्रों के विनिर्माण के लिए।

३२ वस्त्र वस्तु के तकनीकी विनिर्देशन उनके डेनियर्स, तन्यता, लस्टर्स, रंगों (जैसे सेमी ट्रॉट, सुपर बाइट, फुल डल, डोप डाइड), क्रॉस सेक्शन और सिकुड़ने की दृष्टि से उत्पाद किये जाते हैं।

३३ संबद्ध वस्तु का उपयोग परिधान/घरेलू वस्त्रों तथा अन्य औद्योगिक अनुप्रयोगों में किया जाता है।

३४ अनुरोध किया गया है कि संबद्ध वस्तुएं जिनका पाटन भारत में किया जा रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं के समान हैं। पाटित आयातों और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के बीच तकनीकी विनिर्देशनों, गुणवत्ता कार्यों और अंतिम उपयोगों की दृष्टि से कोई अंतर नहीं है। इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देशों से पाटित वस्तुओं के "समान वस्तु" हैं। पाटित वस्तुओं और आवेदकों द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिरक्षापनीय हैं और इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत इन्हें "समान वस्तुएं" माना जाना चाहिए।

8. मै. थाई पोलिएस्टर कंपनी लि. (टीपीसी) ने अनुरोध किया है कि टीपीसी ने मुख्यतः जांच अवधि के दौरान भारत को कथित प्रीमियम ग्रेड के एफडीवाई या एसडीवाई(मोनो), 20 डेनियर, 1 फिलामेंट, सेमी डल लस्टर का निर्यात किया है। यह भी माना गया है कि बड़े भारतीय घरेलू उत्पादकों ने घरेलू बाजार में केवल गैर-प्रीमियम एसडीवाई ग्रेडों का उत्पादन और बिक्री की है। यद्यपि, टीपीसी का निर्यात उत्पाद याचिका के अंतर्गत निर्धारित उप शीर्ष 5402-47-00 के अध्याय 54 के अंतर्गत मानव निर्मित फिलामेंट के रूप में वर्गीकृत है। तथापि, टीपीसी द्वारा बेचा गया उत्पाद वास्तव में उत्पाद की उस किस्म के समान नहीं है जिसे भारतीय घरेलू उद्योग, जिन्होंने क्षति होने का दावा किया है, द्वारा अधिकांशतः बेचा गया है। प्रीमियम ग्रेड के एफडीवाई का उत्पादन करने के लिए उत्पादक नव-प्रवर्तनकारी प्रीमियम ग्रेड के उत्पादन हेतु नई प्राद्योगिकी का प्रयोग करते हैं। जिसके परिणामस्वरूप प्रीमियम ग्रेड के एफडीवाई की कीमतें सामान्यतः विशिष्ट भारतीय बाजार में उत्पादित और बेचे जाने वाले लो ग्रेड की गुणवत्ता की वस्तु से अधिक होती हैं। चूंकि भारत में घरेलू उत्पादकों ने अब तक प्रीमियम ग्रेड के एफडीवाई का उत्पादन नहीं किया है इसलिए भारतीय बाजार में एसडीवाई (मोनो) की मांग उसकी आपूर्ति से अधिक है अतः एसडीवाई (मोनो) उत्पाद को थाइलैंड से निर्यातित संबद्ध वस्तु के रूप में ज्ञात रूप से वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए जिससे इस जांच के अंतर्गत घरेलू उद्योग पर क्षतिकारी प्रभाव पड़ा है।

9. प्राधिकारी नोट करते हैं कि टीपीसी के वक्तव्य की बाद में किसी साक्ष्य द्वारा पुष्टि नहीं की गई है। अन्य सहयोगी निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु को संबद्ध देशों से पाठित वस्तु के "समान वस्तु" माना है।

ग आवेदक की स्थिति और घरेलू उद्योग

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आवेदन एसोसिएशन ऑफ सिन्थेटिक फाइबर इंडस्ट्री द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत किया गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि., नोवा पेट्रोकेमिकल्स लि., गुप्ता सिंथेटिक लि. और चिरीपाल पेट्रोकेमिकल्स लि. द्वारा आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। यह आवेदन मै. सेन्व्यूरी एनका लि., मै. इंडोरामा सिंथेटिक्स (आई) लि., मै. पारस पेट्रोफिल्स लि., मै. गॉर्डन सिल्क मिल्स लि., जेबीएफ इंडस्ट्रीज लि. और मै. वेलस्पन सिन्टैक्स लि. द्वारा समर्थित था। इन उत्पादकों का भारतीय उत्पादन में 85% हिस्सा बनता है और इस प्रकार इनके पास वांछित योग्यता है। आंकड़े उपलब्ध कराने वाली कंपनियों का कुल उत्पादन में 68% हिस्सा बनता है अतः ये नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

घ. गोपनीयता

11. इस जांच परिणाम में क्षमता, उत्पादन और बिक्रियों आदि से संबंधित घरेलू उद्योग के आंकड़े गोपनीय नहीं माने गए हैं। तथापि, उपभोक्ताओं, कीमतों और लागतों से संबंधित सूचना गोपनीय मानी गई है।

12. सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों के बारे में उनके गोपनीयता संबंधी दावों का स्वीकार किया गया है और उनके दावे के अनुसार आंकड़ों/सूचना को इस जांच में गोपनीय रखा गया है।

अन्य मुद्दे

घरेलू उद्योग से पीसीएन-वार सूचना

13. जियांगसू हैंगली केमिकल्स फाइबर कंपनी लि. द्वारा यह तर्क दिया गया है कि पाटन के पीसीएन आधारित निर्धारण का तर्कसंगत आधार यह है कि विचाराधीन उत्पाद के ग्रेडों, गुणवत्ताओं और कीमतों की दृष्टि से उसकी श्रेणी के भीतर काफी विभिन्नताएं हैं। पीसीएन-वार लागत और कीमत संबंधी सूचना के अभाव में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों का निर्धारण पूर्णतः विकृत हो जाएगा। उदाहरणार्थ यदि निर्यातक के मूलता के देश के बाजार में निर्यातक केवल कम से कम महंगे ग्रेडों/गुणवत्ताओं को बेच रहा था परंतु भारत को निर्यात उच्चतर गुणवत्ता/अधिक महंगे ग्रेडों के किए गए थे तो निर्दिष्ट प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए बाध्य होंगे कि कोई पाटन नहीं हुआ है। इसी प्रकार इस बात की पूरी संभावना है कि घरेलू उद्योग को उन पीसीएन के संबंध में कोई क्षति न हुई हो जिनका निर्यात जियांगसू हैंगली या अन्य निर्यातकों द्वारा किया गया है। अतः घरेलू उद्योग और निर्यातकों, दोनों की ओर से संपूर्ण जांच पीसीएन-वार लागत और कीमत सूचना पर आधारित होनी चाहिए।

14. घरेलू उद्योग ने इस संबंध में बताया है कि निर्यातकों से पीसीएन वार सूचना पाटन मार्जिन के समुचित रूप से निर्धारण के लिए मंगाई जाती है। पीसीएन वार विश्लेषण का आधार पाटनरोधी संबंधी डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 2.4 से उत्पन्न होता है जो केवल पाटन मार्जिन संबंधी विश्लेषणों के लिए है। यह भी उल्लेखनीय है कि निर्यातक ने अपने अनुरोध में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के लिए पीसीएन वार आंकड़ों की जरूरत को माना है। अतः पीसीएन वार विश्लेषण की संकल्पना को पाटन मार्जिन के अलावा किसी अन्य मुद्दे के विश्लेषण हेतु न तो स्वीकार किया जाता है और न ही इसकी परिकल्पना की जाती है। मॉडल वार या पीसीएन वार विश्लेषण की संकल्पना अनुच्छेद 2.4 के अंतर्गत पाटन मार्जिन के कानून तक सीमित है। इसी के साथ पाटनरोधी नियम के अनुबंध-II के पैराग्राफ (6) जिसमें इस बात की पुष्टि की गई है कि घरेलू उद्योग के विश्लेषण और क्षति संबंधी विश्लेषण की अपेक्षाएं अनुच्छेद 2.4 के अधिदेश (या पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैराग्राफ 6) से बिल्कुल अलग है। यह निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा लागत रिकॉर्डों का रखरखाव कंपनी अधिनियम के अंतर्गत किया जाता है। तथापि, घरेलू उद्योग के लिए पीसीएन स्तर पर लागत संबंधी रिकार्ड रखना न तो अपेक्षित है और न ही वह उन्हें रख रहा है।

15. प्रधिकारी नोट करते हैं कि क्षति संबंधी विश्लेषण के लिए विधिक मापदंडों में समान वस्तु की विभिन्न किसी के संबंध में अलग-अलग सूचना अपेक्षित नहीं है। तथापि, पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए उत्पाद के भिन्न-भिन्न विनिर्देशनों की तुलना में अनुचित परिणाम प्राप्त होंगे, अतः तुलना पीसीएन-वार की जानी चाहिए। भारत में अपनाए जाने वाले अपेक्षाकृत कम शुल्क के नियम के अनुपालन में और इसके परिणामस्वरूप क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए बिल्कुल सही क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की गणना करने के लिए पृथक उत्पादन लागत वांछनीय होगी। तथापि, यदि घरेलू उद्योग द्वारा यह सूचना नहीं रखी जाती है तो यह गणना उपलब्ध प्रामाणिक सूचना पर आधारित करनी होगी। प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद घरेलू उद्योग से उत्पादन लागत के बारे में डेनियर वार सूचना ली गई थी। क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु एन आई पी तथा सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु अपेक्षानुसार संगत सूचना का उपयोग किया गया है।

पाटनरोधी शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करना

16. घरेलू उद्योग ने इस आधार पर शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने का अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद का न केवल वर्तमान मामले में संबद्ध देशों द्वारा पाटन किया जा रहा है, अपितु पूर्ववर्ती जांच में भी संबद्ध देशों द्वारा पाटन किया गया है और संबद्ध वस्तु का पिछले 3-4 वर्षों से लगातार पाटन किया गया है। आगे यह अनुरोध किया गया है कि कुछेक देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद संबद्ध देशों से आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जिससे स्पष्ट तौर पर यह पता चलता है कि अपेक्षाकृत कम समय में भारी पाटन होने के कारण क्षति हुई है।

17. टॉंगकुन ग्रुप, झेझियांग हेंगशेंग केमिकल फाइबर कंपनी लि. की ओर से इंटरनेशनल ट्रेड लॉ कन्सलटेंट्स ने यह अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करना अत्यंत अनुचित होगा क्योंकि अपेक्षाकृत कम समय में संबद्ध वस्तु के निर्यातों से कोई क्षति नहीं हुई है। यह भी अनुरोध किया गया है कि आवेदक का दावा आधारहीन और औचित्यरहित है। मै. इंडोपॉली (थाइलैंड) लि. ने यह अनुरोध किया है कि यह एक स्वीकृत स्थिति है कि संबद्ध वस्तु का पहले से पाटन हो रहा है, परंतु पहले से किया गया यह पाटन थाइलैंड से हुआ आयातों से संबंधित नहीं है। पूर्ववर्ती जांच में थाइलैंड संबद्ध देश नहीं था। जहां तक अपेक्षाकृत कम अवधि में आयातित वस्तु के भारी पाटन का संबंध है, यह अनुरोध किया गया है कि यह एक स्वीकृत तथ्य है कि आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक कुल आयातों में गिरावट आई है। साथ ही साथ घरेलू उद्योग का हिस्सा आधार वर्ष में 32.78% से बढ़कर जांच अवधि में 51.6% हो गया है। इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने को न्यायोचित ठहराने को सिद्ध करने का दायित्व घरेलू उद्योग पर होता है। घरेलू उद्योग के लिए न केवल भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने को न्यायोचित ठहराना अपेक्षित होता है अपितु, उस तारीख को भी विनिर्दिष्ट करना और उसे न्यायोचित ठहराना भी अपेक्षित होता है जिस तारीख से शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू किया जाना है। घरेलू उद्योग सिद्ध करने के उक्त दायित्व को पूरा

करने में विफल रहा है और इस प्रकार उसे पाटनरोधी शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने की बात कहने की अनुमति नहीं दी जा सकती ।

18. इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह आरोप कि संबद्ध देशों द्वारा पूर्ववर्ती जांचों में भी पाटन किया जा रहा था, किसी साक्ष्य से प्रमाणित नहीं किया गया है । घरेलू उद्योग का वक्तव्य शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने का आधार नहीं हो सकता । आगे यह नोट किया गया है कि धारा 9 (3) के प्रमुख घटकों पर आगे कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है जिसे शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने का आधार बनाया जा सके । अतः प्राधिकारी ने इस जांच में पाटनरोधी शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने की सिफारिश नहीं की है ।

घ पाटन मार्जिन के निर्धारण की पद्धति

घ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

19. यह अनुरोध किया गया है कि संबद्ध देश अर्थात् चीन और वियतनाम भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश हैं अतः चीन और वियतनाम के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में वर्णित प्रक्रिया के अनुसार किया जाना अपेक्षित है ।

20. यह अनुरोध किया गया है कि किसी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रथम विकल्प के रूप में किसी उचित तीसरे बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का चुनाव किया जाना अपेक्षित है । यह प्रस्तावित था कि चीनी ताइपेई ताइवान को उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में लिया जाए । यह अनुरोध किया गया है कि संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु चीन और वियतनाम में क्षमता चीनी ताइपेई में विनिर्माण सुविधा से मिलती-जुलती है । यह भी अनुरोध किया गया है कि इस तथ्य के मद्देनजर ताइवान को एक प्रतिनिधि देश माना जाना चाहिए कि उद्योग की संरचना संयंत्रों की औसत क्षमता, लागत ढांचा, उत्पादन प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी संबद्ध देशों में उपलब्ध विशिष्टताओं से काफी मिलती-जुलती है । घरेलू उद्योग के भी ताइवान में किसी उत्पादक के साथ कोई संपर्क या संबंध नहीं हैं । यह प्रस्तावना इस तथ्य द्वारा भी निर्देशित है कि ताइवान स्थानीय उत्पादकों तथा आयतित वस्तुओं के बीच पर्याप्त प्रतिस्पर्धा के साथ एक बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है । ऐसी स्थितियां बाजार द्वारा निर्धारित कीमतों की अच्छी संकेतक हैं ।

21. इसे अलावा यह अनुरोध किया गया था कि घरेलू उद्योग ने ताइवान से अन्य देशों को होने वाले निर्यात की कीमतों के ब्यौरे संबंधी सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया था । परंतु वे ताइवान में कीमतों के संबंध में कोई दरतावेजी साक्ष्य या विश्वसनीय सूचना प्राप्त करने में सक्षम नहीं रहे थे क्योंकि यह सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है । जांच शुरूआत के प्रयोजनार्थ ताइवान में सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया था क्योंकि ऐसा करना पाटनरोधी

नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 7 के प्राक्षणाओं की दृष्टि से विकल्पों के पहले समूह के अंतर्गत अनुमत्य पद्धतियों में से एक है।

घ.2 सहयोगी निर्यातकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार

22. जांच शुरूआत के स्तर पर प्राधिकारी ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8 (2) के अनुसार चीन जन.गण. और वियतनाम को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए कार्रवाई की है। जांच की शुरूआत पर प्राधिकारी ने इन देशों के उत्पादकों/निर्यातकों को जांच शुरूआत की सूचना का उत्तर देने और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के निर्धारण हेतु संगत सूचना उपलब्ध कराने की सलाह दी थी।

23. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8(3) में उल्लिखित मापदंडों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्व धारणा का खंडन करने के लिए सभी ज्ञात निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार की प्रश्नावली की प्रतियां भेजी थीं। प्राधिकारी ने चीन और वियतनाम की सरकार से उनके देशों में उत्पादकों/निर्यातकों को सूचना उपलब्ध कराने की सलाह देने के लिए भी अनुरोध किया था।

घ.3 मै. जियांगसू हेंगली केमिकल्स फाइबर कंपनी लि., चीन जन.गण. द्वारा किए गए अनुरोध

24. यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित आरोप लगाए हैं:

1. चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था है;
2. पूर्व में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना है। अतः इस देश को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए।
3. चीन के निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का परिकलन किए जाने की जरूरत है।

25. यह भी बताया गया है कि व्यापार के कानून के अंतर्गत यह एक स्थापित स्थिति है कि यदि किसी देश को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना भी जाता है, तो भी किसी कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार दिया जा सकता है बशर्ते कि वह बाजार अर्थव्यवस्था के निर्धारण हेतु निर्धारित मापदंडों को पूरा करती हो। यह तथ्य रिकॉर्ड किया जाए कि डीजीएडी ने स्वयं पिछले चार वर्षों में चीन की अनेक कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया है। इसके अलावा यह बताया गया है कि भारतीय कानून के अंतर्गत बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार किए जाने वाले चार मापदंडों को निर्धारित किया गया है बल्कि ऐसे मापदंडों पर विचार करने की स्थितियां भी निर्धारित की गई हैं। विशिष्ट रूप से शब्द जैसे "राज्य का अत्यधिक हस्तक्षेप", "पर्याप्त रूप से प्रदर्शित", "अत्यधिक विकृतियां", "पर्याप्त साक्ष्य", "बाजार की स्थितियां प्रचलित होना", आदि ऐसी स्थितियां हैं जिन पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के लिए मापदंडों की गणना और उनका अनुप्रयोग करते समय विचार किया जाना चाहिए। यह

अनुरोध किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को किसी निर्दिष्ट गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से किसी सहयोगी निर्यातक के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार से संबंधित भारतीय कानूनों का प्रयोग करना चाहिए। केवल तभी जबकि यह साबित होता हो कि संबद्ध सामग्री की लागत और कीमत निर्धारण पर प्रभाव डालते हुए राज्य द्वारा पर्याप्त हस्तक्षेप किया जा रहा है और प्रमुख निविष्टियों की लागतें बाजार मूल्य को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करती हैं। ऐसी जांच में राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप पर अधिक जोर दिया जाए क्योंकि विश्व में कहीं भी कोई उद्यम एक या किसी अन्य रूप में राज्य के हस्तक्षेप के बिना कार्य नहीं कर सकता है।

26. यह भी अनुरोध किया गया है कि मै. जियांगसू हेंगली केमिकल्स फाइबर कंपनी लि., चीन जन.गण. की स्थापना वर्ष 2002 में 50 मिलियन अमरीकी डॉलर की पंजीकृत पूँजी के साथ एक शेयर धारक कंपनी के रूप में की गई थी। इसके प्रमुख व्यापार में पालिस्टर फाइबर और भिन्न-भिन्न रासायनिक फाइबर का विनिर्माण और बिक्री करना शामिल है।

27. मै. जियांगसू हेंगली केमिकल्स फाइबर कंपनी लि. का स्वामित्व निम्नलिखित कंपनियों के पास है :-

1. सुझोऊ सेंगलून इन्वेस्टमेंट कंपनी लि.,
2. सुझोऊ हुवेर इन्वेस्टमेंट कंपनी लि.,
3. टक शिंग ली इंटरनेशन होल्डिंग्स लि.

इस कंपनी के ये सभी शेयर धारक न तो राज्य के स्वामित्व वाले हैं और न ही इनका राज्य से कोई प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष संबंध है। इसके अलावा यह भी अनुरोध किया गया है कि भारत में पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पूर्ववर्ती राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी जिसे उचित ढंग से निजी व्यक्तियों को हस्तांतरित किया गया है, को भी बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है। यदि वे यह साबित करने में सक्षम होते हैं कि वे बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली के अंतर्गत प्रचालन कर रहे हैं। पूर्व समय में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने ऐसी अनेक कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया है। इसके विपरीत जियांगसू हेंगली के पूर्णतः निजी रूप से स्थापित है और इसका स्वामित्व निजी कंपनियों के पास है। इस प्रकार जियांगसू हेंगली को माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए।

28. प्राधिकारी ने नोट किया है कि इस निर्यातक ने दावा किया है कि उसकी स्थापना युन चुन होल्डिंग लिमिटेड द्वारा वर्ष 2002 में एक पूर्णतः विदेशी स्वामित्व वाले उद्यम के रूप में हांगकांग में की गई थी। इसी वर्ष 75% शेयर वूजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्टरी को अंतरित कर दिए गए। तत्पश्चात बचे हुए शेयर युन चुन होल्डिंग लिमिटेड और हांगकांग तकिंग इंटरनेशनल होल्डिंग लिमिटेड को अंतरित किए गए। वूजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्टरी ने अपने शेयर वर्ष 2007 में सुझोऊ हुआर इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. को अंतरित कर दिए।

29. निर्यातक को वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया, जिसमें होलिंग कंपनी के कार्यकलापों एवं तुलन-पत्र का उल्लेख किया गया है। निर्यातक से शेयरों के मूल्य निर्धारण की विधि एवं भुगतान की पद्धति स्पष्ट करने का अनुरोध किया गया। इसके उत्तर में बताया गया कि वर्तमान दोनों होलिंग कंपनियों की स्थापना 2007 में की गई थी, अतः कोई वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है। तथापि हांगकांग तकशिंग इंटरनेशनल होलिंग लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट एवं तुलन पत्र उपलब्ध कराए गए। यह भी कहा गया है कि “शेयरों का अंतरण करते समय शेयरों का मूल्य निर्धारण केवल पक्षकारों के बीच वार्ता के माध्यम से किया जाता है। शेयरों के अंतरण का आंशिक भुगतान बैंक के माध्यम से और नकद रूप में भी किया जाता है।”

30. सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि कंपनी के स्थामित्व में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ था क्योंकि वूजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्ट्री ने शेयर इन्वेस्टमेंट कंपनी को अंतरित कर दिए हैं जिन्हें वूजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्ट्री के मालिक द्वारा धारित किया गया था। मूल रूप में वूजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्ट्री को बैंक (सत्यापन के दौरान प्रदत्त सूचना के अनुसार) से ऋण लेकर वर्ष 1994 में श्री चेन जियानहुआ ने खरीदा था। वर्ष 2003 में श्री चेन जियानहुआ ने चाइना हेंगली ग्रुप की स्थापना की जिसमें जियांगसू हेंगली केमिकल फाइबर कंपनी लि., वूजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्ट्री, वूजियांग हुआयी रियल इस्टेट कंपनी लि., वूजियांग हुआयी इन्वेस्टमेंट कंपनी लि., रुझान्दीक्सीयांग टेक्सटाइल कंपनी लि., वूजियांग चेनचेन वीविंग कंपनी लि., वूजियांग हुआयी टेक्सटाइल कंपनी लि., वूजियांग हुआयी ट्रेडिंग कंपनी लि., वूजियांग युनहाओ वीविंग कंपनी लि., वूजियांग टोंगली लेक होलीडे रिसोर्ट तथा सुझाऊ सुसेंग थर्मल पॉवर कंपनी लि. शामिल हैं। सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान कंपनी से वर्ष 2002 के लिए वूजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्ट्री की वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था जब उसने जियांगसू हेंगली केमिकल फाइबर कंपनी लि. को खरीदा था ताकि कंपनी को खरीदने के लिए निधियों की प्राप्ति की जानकारी की जा सके। निधियों की प्राप्ति के लिए यह बताया गया था कि “पूंजी को विदेशी निवेश कंपनी से धीरे-धीरे प्राप्त किया जा सकता है और पूंजी संबंध पर भरोसा किया जा सकता है।” यह भी नोट किया गया है कि कंपनी की प्रमुख रिपोर्ट से यह पता चलता है कि वूजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्ट्री द्वारा वित्तपोषित जियांगसू हेंगली केमिकल फाइबर कंपनी लि. की औपचारिक रूप से स्थापना 80 हेक्टेयर क्षेत्र के अधिग्रहित क्षेत्र में की गई थी। इसने जर्मन जिमर ए जी से 2 सेट 200,000 टन के पॉलिएस्टर उत्पादन संयंत्रों, जापानी टीएमटी कॉर्क तथा जर्मन, जर्मन बारमेग एजी से 350,000 टेरीलिन उत्पादों की उत्पादन क्षमता वाले 1152 पोजिशन एफडीवाई तथा पीओवीई और जापान तथा जर्मन से 120 टीडीवाई हाई स्पीड टेक्सचराइजिंग मशीनों का आयात किया था। सकल निवेश 2.2 बिलियन आरएमबी युआन तक पहुंच गया था। यह बड़े पैमाने पर सामूहिक प्रचालन के रूप में भावी विकास की मजबूत आधारशिला थी। आगे यह नोट किया गया है कि प्रश्नावली के उत्तर में यह उल्लेख किया गया था कि कंपनी की स्थापना 2 नवंबर, 2002 को युनचुन होलिंग्स लि. (हांगकांग) द्वारा की गई थी। 16 नवंबर, 2002 को इस युनचुन होलिंग्स लि. (हांगकांग) ने अपने 75% शेयर वूजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्ट्री को अंतरित कर दिए थे। वर्ष 2003 और 2007 में शेष 25% शेयर भी वर्तमान शेयरधारक को

अंतरिक्क कर दिए थे। इसी प्रकार वूजियांग केमिकल फाइबर वीरिंग फैक्ट्री ने अपने शेयर वर्तमान शेयर धारक को अंतरित कर दिए।

31. कंपनी द्वारा प्रदत्त उपर्युक्त सूचना से यह पता चलता है कि निधियों की प्राप्ति और कंपनी का अधिग्रहण पारदर्शी नहीं है जिससे कंपनी के वास्तविक स्वामित्व को समझ पाना कठिन हो गया है। इसके अलावा, खासकर निधियों की प्राप्ति के संदर्भ में कंपनी के कार्यचालन में पारदर्शिता के अभाव में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की प्रणाली से आई विकृति का निर्धारण करना संभव नहीं है। पारदर्शिता के अभाव में लागत, कीमत आदि के बारे में कंपनी के प्रमुख निर्णय लेने में राज्य के हस्तक्षेप से इंकार करने की संभावना भी नहीं है। अतः प्राधिकारी ने इस जांच के प्रयोजनार्थ इस कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया है।

32. प्रकटन विवरण के बाद निर्यातक ने यह बताया था कि उनकी राय में वृजियांग केमिकल फाइबर वीविंग फैक्ट्री की वर्ष 2002 की वार्षिक रिपोर्ट अपेक्षित नहीं है। यह भी बताया गया है कि "अंतरण कंपनी के शेयरधारकों के नियंत्रण के बीच विधितः एक आंतरिक अंतरण था। सामान्यतः उपर्युक्त अंतरण से पूर्व और उसके बाद हेंगली का अंतिम और वास्तविक स्वामित्व चेनजियानहुआ के पास रहा है जैसा कि हमने सत्यापन के दौरान दावा किया है। तदनुसार सहायक एवं संबद्ध कंपनियों के बीच शेयरधारिता के परिवर्तन के लिए किसी मूल्यांकन की जरूरत नहीं है क्योंकि अंतरणकर्ता कंपनियों और अंतरिती कंपनियों दोनापें के अंतिम शेयरधारक एक ही हैं। तदनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह निष्कर्ष कि निधियों की प्राप्ति के बारे में कंपनी के कार्यचालन में पारदर्शिता का अभाव है, सही नहीं है और प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत तथ्यों के प्रतिकूल है।" प्राधिकारी ने निर्यातक के तर्कों की जांच की है लेकिन उनमें पूर्ववर्ती पैराग्राफ में पहले से दर्ज कारणों के मद्देनजर निर्णय को बदलने का कोई कारण नहीं देखा गया है।

वूक्सी गॉडशीप इंडस्ट्री एण्ड ट्रेड कं. लि.

33. यह निवेदन किया गया है कि वूक्सी गॉडशीप इंण्डस्ट्री एण्ड ट्रेड कं. लि.(गॉडशीप ट्रेड) एफडीवाई का निर्यात करती है, जिसका विनिर्माण इसकी संबद्ध कंपनी जियांगसू केमिकल फाइबर कंपनी लि. द्वारा उन के बीच प्रोसेसिंग संविदा पर किया जाता है।

34. मिर्यातक से वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था, जिसमें ***** के जांच अवधि तथा विगत 3 वर्षों के कार्यकलापों एवं तुलन पत्रों का उल्लेख दिया गया है। उत्तर में यह बताया गया कि कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट नहीं हैं, तथापि, वर्ष 2006 और 2007 की वार्षिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई। लेखा परीक्षा रिपोर्टों की जांच से यह नोट किया गया कि तुलन पत्र और आम विवरण के अंग्रेजी अनुवाद में मूल्य निर्धारण के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है और संबंधित पंक्तियों को रिक्त छोड़ दिया गया है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि उत्तर में सूचित कार्यकलापों में से एक कार्यकलाप "निवेश करने के लिए अपनी स्वयं की परिसंपत्तियों का प्रयोग करना" था।

35. निर्यातक से ***** लि., जो वूक्सी गॉडशिप इण्डस्ट्री एंड ट्रेड कंपनी लि. की एक होलिंग कंपनी है, द्वारा शेयरों के अंतरण का ब्यौरा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। इसके उत्तर में यह बताया गया कि अंतरण करते समय शेयरों का मूल्य निर्धारण नहीं किया गया था।

36. ग्रामीणों के बाद निर्यातक ने प्रस्तुत सूचना के सत्यापन हेतु सहयोग नहीं किया। अतः प्राधिकारी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की अनदेखी करने के लिए बाध्य हुए और उक्त निर्यातक को असहयोगी माना।

टोंगकुन ग्रुप कंपनी लि. (टोंगकुन ग्रुप) एवं टोंगकुन ग्रुप हेंगशेंग केमिकल फाइबर कंपनी लि. (हेंगशेंग)

37. यह निवेदन किया गया है कि हेंगशेंग का केवल एक शेयरधारक अर्थात् ***** है। यह बताया गया है कि इसके ***** शेयरधारक हैं। टोंगकुन युप के प्रमुख शेयरधारक, अलग-अलग शेयरधारकों के अलावा, ***** लि., ***** लि., ***** लि. और ***** लि. हैं।

38. इन निर्यातकों से वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया, जिसमें ***** लि., *****लि., ***** लि., ***** लि. (निर्यातकों की होल्डिंग कंपनियां) के जांच अवधि के और पिछले वर्ष के कार्यकलापों एवं तुलन पत्रों का ब्यौरा दिया गया है। यह भी पूछा गया था कि क्या होल्डिंग कंपनियां राज्य के स्वामित्व की/द्वारा नियंत्रित हैं अथवा कोई शेयर राज्य द्वारा धारित है/था। इसके उत्तर में इन होल्डिंग कंपनियों के तुलन पत्र एवं आय विवरण उपलब्ध कराए गए थे। तुलन-पत्रों व आय विवरणों में प्रदत्त सूचना अपर्याप्त है और इनमें होल्डिंग कंपनियों के कार्यकलापों का उल्लेख नहीं किया गया है।

39. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद कंपनियों ने और कोई सूचना उपलब्ध नहीं की। सत्यापन के दौरान यह भी नोट किया गया था कि वर्ष 1999 जब इसे असेट मेनेजमेंट कंपनी और एम्पलाई स्टॉक ओनरशिप कंपनियों द्वारा धारित किया गया था, से वर्ष 2002, जब कंपनी रूपांतरित हुई थी और शेयर झेजियांग टॉग्कुन होल्डिंग ग्रुप कंपनी लि. के पास थे, तक कंपनी के निदेशकों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

40. इस आशय की सूचना के मद्देनजर कि विनिर्माता/निर्यातक की नियंत्रक कंपनी पूर्व में राज्य द्वारा धारित थी और बाद में केवल नियंत्रक कंपनियों में ही फेरबदल हुई है। तथापि, कंपनी के निदेशक वही बने रहे जिससे स्पष्टः यह पता चलता है कि इन कंपनियों पर राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों का नियंत्रण है। अतः इन कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करना संभव नहीं है क्योंकि कंपनियों के प्रमुख निर्णय लेने में राज्य के हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता।

41. प्रकटन विवरण के बाद यह बताया गया था कि समस्त सूचना तुरंत प्रदान की गई थी और प्राधिकारी के पास इस आशय का कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं है कि कंपनी पूर्व में राज्य के नियंत्रण में थी। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि सत्यापन के दौरान यह सूचित किया गया था कि उन्हें असेट मेनेजमेंट कंपनी, जो पूर्व में नियंत्रक कंपनी थी, के स्वरूप की जानकारी नहीं थी। इस तथ्य के मद्देनजर उत्पादक/निर्यातक नियंत्रक कंपनी के स्वरूप की जानकारी ही नहीं थी/ उसके स्वरूप का खुलासा करने के लिए तैयार नहीं था। अतः प्राधिकारी पूर्ववर्ती पैराग्राफ में पहले से दर्ज अपने निर्णय को बदलने में कोई कारण नहीं पाते हैं।

सामान्य मूल्य

चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

42. गैर बाजार अर्थव्यवस्था के उद्गम के निर्यातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 2 के पैरा 7 के अनुसार किया जाएगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के पैरा 7 में प्रावधान है कि :

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य अथवा ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के मूल्य के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो, किसी अन्य समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा भारत में भुगतान की गई कीमत शामिल है, जिसमें यदि जरूरी हो, तो लाभ की समुचित मार्जिन को भी विधिवत समायोजित किया जाएगा।"

43. जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है, किसी भी सहयोगी निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया गया है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के अनुसरण में किया गया है। घरेलू उद्योग ने आवेदन करते समय सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सहोदर देश के रूप में चीनी ताइपेई का प्रस्ताव किया था। तथापि इस संबंध में प्राधिकारी को कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई थी। सहयोगी निर्यातकों ने भी अपने उत्तरों में "समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश" के रूप में चीनी ताइपेई में कोई टिप्पणी नहीं की थी। अतः प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण "किसी अन्य समुचित आधार" विधि के अनुसार किया है।

44. सामान्य मूल्य की गणना के प्रयोजनार्थ भारत में कच्चे माल की कीमतों, खपत मानदंडों एवं घरेलू उद्योग के कार्यक्षम उत्पादक की परिवर्तन लागत पर विचार किया गया है। सामान्य मूल्य ज्ञात करने के लिए 5% की दर से लाभ भी जोड़ दिया गया है। इस विधि से सामान्य मूल्य का निर्धारण *** डॉलर/किग्रा. किया गया है।

सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

जियांगसू हेंगली केमिकल फाइबर कंपनी लि.

45. निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों का सौदेवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है। आंकड़ों के सत्यापन के बाद निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु निर्यात के सभी सौदों पर विचार किया गया है। कारखाना द्वारा निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए स्थानीय परिवहन, पैकिंग, समुद्री मालभाड़े, बीमे, सीमाशुल्क संस्थीकृति, प्रहस्तन पर किए गए व्यय वैट संबंधी घाटे एवं निर्यातक द्वारा दावा किए गए अन्य व्ययों को समायोजित किया गया है। इस विधि से कारखाना द्वारा भारित औसत निर्यात कीमत *** डॉलर/किग्रा. निर्धारित की गई है।

टोंगकुन युप कंपनी लि.

46. निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों का सौदेवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है। सत्यापन के बाद निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु निर्यात के सभी सौदों पर विचार किया गया है। कारखाना द्वारा निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए पैकिंग, समुद्री मालभाड़े, बीमे, पत्तन शुल्क पर किए गए व्यय वैट संबंधी घाटे एवं निर्यातक द्वारा दावा किए गए बैंक व्ययों को समायोजित किया गया है। इस विधि से कारखाना द्वारा भारित औसत निर्यात कीमत *** डॉलर/किग्रा. निर्धारित की गई है।

टोंगकुन ग्रुप हेंगशेंग केमिकल फाइबर कंपनी लि.

47. निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों का सौदेवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है। सत्यापन के बाद निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु निर्यात के सभी सौदों पर विचार किया गया है। कारखाना द्वारा निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए पैकिंग, समुद्री मालभाड़े, बीमे, पत्तन शुल्क पर किए गए व्यय वैट संबंधी घाटे एवं निर्यातक द्वारा दावा किए गए बैंक व्ययों को समायोजित किया गया है। इस विधि से कारखाना द्वारा भारित औसत निर्यात कीमत *** डॉलर/किग्रा. निर्धारित की गई है।

वूक्सी गॉडशिप इंडस्ट्री एंड ट्रेड कंपनी लि.

48. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद निर्यातक ने जांच शुरूआत के उत्तर में प्रस्तुत सूचना के सत्यापन हेतु सहयोग नहीं किया। प्रारंभिक जांच परिणामों में अलग-अलग निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया था। तथापि, प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद निर्यातक को आंकड़ों का सत्यापन कराने से इकार करने के कारण असहयोगी माना गया है। अतः इस निर्यातक के लिए अलग से कोई पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया गया है।

असहयोगी निर्यातक हेतु निर्यात कीमत

49. असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए इम्पॉर्टल कम्प्यूटर लैब प्रा.लि. द्वारा भारत को उपलब्ध कराए गए सौदेवार निर्यात के ब्यौरे पर विचार किया गया है। चूंकि ये सौदे सीआईएफ आधार पर हैं अतः कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए भारत को किए गए निर्यात के कारण हुआ व्यय समायोजित कर लिया गया है। इस प्रयोजनार्थ सहयोगी निर्यातक द्वारा घोषित व्यय पर विचार किया गया और समायोजित किया गया। इस विधि से कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत *** डॉलर/किग्रा. निर्धारित की गई है।

वियतनाम

फार्मोसा इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन (एफआईसी)

बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार

50. जांच की शुरूआत के चरण में प्राधिकारी ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार वियतनाम को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में मानते हुए कार्रवाई की थी। तथापि, वियतनाम के निर्यातकों को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में निर्धारित मानदंडों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए एम ई टी प्रश्नावली भेजी गई थी। जांच की शुरूआत के उत्तर में एफआईसी ने निर्धारित प्रपत्र में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए सूचना प्रस्तुत की। प्रस्तुत सूचना का मौके पर सत्यापन भी किया गया था। इस संबंध में यह नोट किया

गया है कि एफ आई सी चीनी ताइपेई की कंपनियों के नियंत्रण में है। नियंत्रक कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट से एफ आई सी, वियतनाम में इन कंपनियों में किए गए निवेश का पता चलता है। निदेशक मंडल इन नियंत्रक कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। कंपनी द्वारा भूमि एवं जी एच आई ए इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट कंपनी (टाइमैक्सको) नामक एक कंपनी से पट्टे पर 50 वर्ष के लिए ली गई है। चूंकि इस कंपनी की स्थापना चीनी ताइपेई की निजी कंपनियों द्वारा की गई है, इसलिए पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की प्रणाली से आई विकृति का पता नहीं लगा। कंपनी द्वारा ताइवान में संबद्ध कंपनियों से कच्ची सामग्री की खरीद की जाती है, जो असंबद्ध ग्राहकों को कच्ची सामग्री की बिक्री भी करती है। कच्ची सामग्री की खरीद कीमत में कोई खास अंतर नहीं पाया गया है। नियमावली के पैरा 8(3) में दिए गए अन्य मापदंडों की भी जांच की गई है। तथापि, कंपनी के असहयोग के मद्देनजर बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के बारे में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, जिसके जरिए जांच अवधि के दौरान निर्यात किए गए हैं।

वियतनाम के लिए सामान्य मूल्य

51. सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा किया है। इस प्रयोजनार्थ एफ आई सी द्वारा प्रदत्त घरेलू बिक्री सौदों पर विचार किया गया है। चूंकि भारत को की गई निर्यात बिक्री और घरेलू बिक्री की पी सी एन समान थी, इसलिए तुलनीय पी सी एन के लिए घरेलू बिक्री के समस्त सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया गया है। घरेलू बिक्री के लिए अंतरदेशीय भाड़े तथा पैकिंग के लिए व्यय का दावा किया गया था और उन्हें मौके पर सत्यापन के दौरान सही पाया गया था। घरेलू बिक्री सौदे भी बिक्री लागत से अधिक कीमत पर पाए गए थे इसलिए संगत पी सी एन के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु समस्त सौदों पर विचार किया गया है। पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु प्रत्येक पी सी एन के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। संगत पी सी एन की समस्त व घरेलू बिक्री के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य की गणना *** अम.डॉ./किग्रा. के रूप में की गई है।

असहयोगी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत

52. निर्यातक ने भारत को की गई निर्यात बिक्री के बारे में सौदेवार आंकड़े प्रदान किए हैं। सूचना से यह देखा गया था कि वियतनाम से पोतलदान सीधे भारत को किए गए थे लेकिन बिक्री सर्वप्रथम चीनी ताइपेई के एक व्यापारी को की गई थी जिसने बाद में भारतीय ग्राहकों को बिक्री की थी। प्रारंभिक जांच परिणामों से पूर्व चीनी ताइपेई के निर्यातक द्वारा सूचना के लिए अलग से पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया गया था। प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद व्यापारी द्वारा सौदेवार निर्यात बिक्री की सूचना प्रदान की गई थी। चूंकि निर्यात सौदों की कड़ी पूरी हो गई है, इसलिए प्राधिकारी ने एफ आई सी द्वारा प्रदत्त सूचना का सत्यापन किया। व्यापारी से बीजकों की प्रतियां उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था, लेकिन भारत को हुए वास्तविक निर्यातों की कीमत का सत्यापन किया जा सके। व्यापारी ने सहयोग करने से

मना कर दिया और अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की और यहां तक कि उसने प्राधिकारी के पत्र का उत्तर भी नहीं दिया। व्यापारी के असहयोग को देखते हुए निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं किया जा सकता। अतः प्राधिकारी ने एफ आई सी के लिए पृथक निर्यात कीमत निर्धारित नहीं किया है।

सौ. फि.

53. ^{**} असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए इम्मॉर्टल कम्प्यूटर लैब प्रा.लि. द्वारा भारत को उपलब्ध कराए गए सौदेवार निर्यात के ब्यौरे पर विचार किया गया है। चूंकि ये सौदे सीआईएफ आधार पर हैं अतः कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए भारत को किए गए निर्यात के कारण हुआ व्यय समायोजित कर लिया गया है। जहां तक माल भाड़े एवं बीमे का संबंध है, सहयोगी निर्यातक द्वारा कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। अतः समायोजन हेतु घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना पर विचार किया गया है। इस विधि से कारखाना द्वारा निर्यात कीमत का निर्धारण *** डॉलर/किग्रा. किया गया है।

थाईलैण्ड

54. मै. थाई पॉलिएस्टर कंपनी लि. ने जांच शुरूआत अधिसूचना का उत्तर दिया था और घरेलू एवं निर्यात बिक्री सौदों के संबंध में ब्यौरा प्रस्तुत किया था। जांच के दौरान यह देखा गया कि भारत से किया गया व्यवसाय किसी अन्य देश में स्थित एक व्यापारी के माध्यम से किया गया है। निर्यातक ने सूचित किया कि व्यापारी को प्रदत्त कीमतों को भारत की निर्यात कीमत मान लिया जाए, तथापि व्यापारी द्वारा भारत को निर्यात कीमत के बारे में कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया। चूंकि भारत को किए गए सौदों की श्रृंखला को सिद्ध नहीं किया जा सका, अतः इस निर्यातक हेतु अलग से कोई पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं की गई है।

इण्डोपॉली (थाइलैण्ड) लि. द्वारा किया गया निवेदन

55. घरेलू बाजार में बेची गई वस्तुओं और भारत को निर्यातित वस्तुओं के बीच कोई अंतर नहीं है। उत्पादित एसडीवाई का वर्गीकरण दो ग्रेडों में किया जाता है जो ए क्वालिटी तथा पीक्यू क्वालिटी हैं। पीक्यू क्वालिटी के उत्पादों (पीक्यू ग्रेड) को पोतों द्वारा भारत एवं घरेलू बाजार में भिजवा दिया जाता है और इनकी कोई डाइंग गारंटी नहीं होती और इनका उत्पादन कमतर ग्रेड के कच्चे माल तथा उपयोगित, पुनरुपयोगित पैकिंग सामग्री और स्नेहकों से किया जाता है। आगे यह भी स्पष्ट किया गया कि उत्पादन प्रक्रिया के दौरान डाऊनग्रेड पीटीए एवं एमईजी के प्रयोग से एसडीवाई की पीक्यू ग्रेड का उत्पादन किया जाता है। डाउन ग्रेडेड कच्चे माल की लागत अपेक्षाकृत कम होती है।

56. सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि कंपनी ने डेनियर के प्रत्येक प्रकार के लिए घटिया ग्रेड के अलग उत्पादन का रिकॉर्ड दिखाया था। अन्य डेनियर के लिए अलग से उत्पादन की कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई थी। आगे यह अनुरोध किया गया है कि घटिया ग्रेड के लिए भी घरेलू बिक्री सौदे बिक्री लागत से कम कीमत पर किए गए थे। अतः घरेलू बिक्री सौदों की अनदेखी की गई है और बिक्री लागत में 5% की दर से लाभ जोड़कर

इस ग्रेड के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है। जिन अन्य डेनियरों के लिए घरेलू बिक्री में तुलनीय ग्रेड उपलब्ध नहीं थे, उनके संबंध में, प्रमुख ग्रेडों की बिक्री लागत पर विचार किया गया है और सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु 5% की दर से लाभ जोड़ा गया है। जिन प्रमुख ग्रेडों के लिए तुलनीय बिक्री उपलब्ध थी, उन्हें हिसाब में लिया गया है।

57. इसके अलावा, यह सूचित किया गया था कि इंडोपॉली (थाइलैंड) लि. (आईपीएल) द्वारा अगस्त, 03, 2009 से अपना समूचा कारोबार इंडोरामा पालिस्टर इंडस्ट्रीज पब्लिक कंपनी लि. (पूर्व में "टनटेक्स टेक्सटाइल्स पब्लिक कंपनी लि." के नाम से ज्ञात) को अंतरित किया जा रहा है। इसके अलावा, इस आशय का एक घोषणा पत्र प्रस्तुत किया गया है कि "इंडोरामा पालिस्टर पब्लिक कंपनी लि. (पूर्व में "टनटेक्स (थाइलैंड) पब्लिक कंपनी लि." के नाम से ज्ञात) ने अक्टूबर, 2006 से सितंबर, 2007 तक न तो ऐस डी वाई उत्पाद का उत्पादन किया है और न ही उसकी बिक्री की है"। इस संबंध में समेकित वित्तीय विवरण की प्रतियां भी प्रस्तुत की गई हैं। प्रकटन विवरण के बाद यह सूचित किया गया था कि आमेलन के परिणामस्वरूप दिनांक 1.8.2009 से कारोबार, परिसंपत्तियां एवं देयताएं मै. इंडोरामा पालिस्टर इंडस्ट्रीज पब्लिक कंपनी लि. को अंतरित कर दी गई हैं। यह भी बताया गया है कि आमेलन के बाद मै. इंडोपॉली (थाइलैंड) लि. की बिक्री, खरीद आदि जैसे समग्र कारोबारी प्रचालन मै. इंडोरामा पालिस्टर इंडस्ट्रीज पब्लिक कंपनी लि. के नाम से किए जाएंगे। यह भी बताया गया है कि "मै. इंडोपॉली (थाइलैंड) लि. के संबंध में बीटीए को भंग कर दिया गया है।" इस संबंध में कंपनी के परिसमापक की ओर से समुचित प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र (मूल रूप में एवं उसका अनुवाद) की प्रतियां और प्रमाण-पत्र की प्रतियां (मूल रूप में और उसका अनुवाद) उपलब्ध कराई गई थीं और यह उल्लेख किया गया था कि मै. इंडोपॉली (थाइलैंड) को भंग कर दिया गया है। प्राधिकारी ने इस घटनाक्रम को नोट किया है और इस परिवर्तन को इस जांच परिणाम में उचित स्थानों पर प्रदर्शित किया है।

थाइलैण्ड में सामान्य मूल्य

इंडोपॉली (थाइलैंड) लि. के लिए सामान्य मूल्य

58. सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निर्यातक ने घरेलू बिक्री का सौदेवार व्यौरा प्रस्तुत किया है। भारित औसत पीसीएन वार सामान्य मूल्य की गणना हेतु सभी सौदों पर विचार किया गया है। कारखाना द्वारा स्तर पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निर्यातक ने बिक्री के दौरान किए गए व्ययों का व्यौरा उपलब्ध कराया है और इसी पर आवश्यकतानुसार विचार किया गया है। पीसीएन वार भारित औसत सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु ऋण लागत, कमीशन, माल भाड़े एवं प्रहस्तन को समायोजित किया गया है। सी टी एस तथा घरेलू बिक्री पर बीमा के बारे में व्यय का भी दावा किया गया था। बीमा के संबंध में यह नोट किया गया था कि यह व्यय घरेलू और निर्यात दोनों बिक्रियों के लिए सामान्य है क्योंकि इसे, निर्यात बिक्री में समायोजित नहीं किया गया है इसलिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु इसे समायोजित नहीं किया गया है। सी टी एस के बारे में यह स्पष्ट किया गया था कि घरेलू बिक्री के संबंध में, तकनीकी सेवा के लिए व्यय किया गया था। चूंकि इन व्यय के बारे में कोई विशिष्ट दस्तावेजी

साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया था, इसलिए इसकी अनुमति नहीं दी गई है। इस विधि से भारित औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण *** डॉलर/किग्रा. किया गया है।

थाईलैंड के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

59. असहयोगी निर्यातकों के लिए सहयोगी निर्यातक की समस्त घरेलू बिक्री को ध्यान में रखा गया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सहयोगी निर्यातक के व्यय को समायोजित किया गया है। इस विधि से भारित औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण *** डॉलर/किग्रा. किया गया है।

सहयोगी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत

इण्डोपॉली (थाईलैण्ड) लि.

60. निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों का ब्यौरा प्रस्तुत किया है। निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु निर्यात के सभी सौदों पर विचार किया गया है। सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि कुछ बीजकों में प्रमुख गुणवत्ता दर्शायी गई है जबकि निर्यातक ने इसे पी क्यू ग्रेड होने का दावा किया था। दावे के समर्थन में निर्यातक ने सत्यापन के दौरान पैकिंग सूची आदि के रूप में समर्थकारी साक्ष्य प्रस्तुत किया था। तथापि, प्राधिकारी ने बीजकों में प्रदत्त सूचना पर भरोसा किया और उसे प्रमुख ग्रेड माना। अन्य सौदे पी क्यू ग्रेड माने गए हैं जैसा कि उन्होंने दावा किया है। पी सी एन वार सौदों को ध्यान में रखते हुए भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है।

61. कारखाना-द्वार निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए स्थानीय परिवहन पर किया गया व्यय, विदेशी मालभाड़े, बीमे, बैंक प्रभारों तथा निर्यातक द्वारा दावा किए गए और मौके पर सत्यापन के दौरान सत्यापित किए गए और मौके पर सत्यापन के दौरान सत्यापित किए गए अन्य व्ययों को समायोजित किया गया है। इस विधि से कारखाना-द्वार भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण *** डॉलर/किग्रा. किया गया है।

असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

62. असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए इम्पॉर्टल कम्प्यूटर लैब प्रा.लि. द्वारा भारत को उपलब्ध कराए गए सौदेवार निर्यात के ब्यौरे पर विचार किया गया है। चूंकि ये सौदे सीआईएफ आधार पर हैं अतः कारखाना-द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए भारत को किए गए निर्यात के कारण हुआ व्यय समायोजित कर लिया गया है। इस प्रयोजनार्थ सहयोगी निर्यातक द्वारा घोषित व्यय पर विचार किया गया और समायोजित किया गया। इस विधि से कारखाना-द्वार निर्यात कीमत *** डॉलर/किग्रा. निर्धारित की गई है।

च.24 पाटन मार्जिन

63. पाटन मार्जिन का निर्धारण भारित औसत दर भारित औसत विधि के उपयोग से किया गया है। इस प्रयोजनार्थ संगत पी सी एन की भारित औसत निर्यात कीमत की तुलना संगत पी सी एन के सामान्य मूल्य के साथ की गई है। संगत पी सी एन के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित करने के बाद प्रत्येक पी सी एन के भार के आधार पर भारित औसत की गणना की गई है। ऊपर यथा निर्धारित भारित औसत सामान्य मूल्य तथा भारित औसत निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
चीन जन.गण.				
टोंगकुन ग्रुप कं.लि.	***	***	***	19.29
टोंगकुन ग्रुप हेंगशेंग केमिकल फाइबर कं.लि.	***	***	***	18.30
जियांगसू हेंगली केमिकल्स फाइबर कं.लि.	***	***	***	18.03
चीन जन.गण. के असहयोगी निर्यातक	***	***	***	48.32
वियतनाम				
वियतनाम के असहयोगी निर्यातक	***	***	***	24.05
थाइलैण्ड				
मै. इंडोरामा पॉलिस्टर इंडस्ट्रीज पब्लिक लि. (पूर्ववर्ती इंडोपाली थाइलैण्ड) लि.	***	***	***	6.76
थाइलैण्ड के असहयोगी निर्यातक	***	***	***	44.8

उपर्युक्त निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक हैं।

ड. क्षति निर्धारण हेतु कार्य प्रणाली और कारणात्मक संबंध की जांच

छ.1 घरेलू उद्योग के विचार

घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:-

64. संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा अप्रैल, 04-मार्च, 05 में 4.83% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 89.64% हो गया है। यह भी देखा जा सकता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों में अप्रैल 04-मार्च, 05 तक के वर्ष में हुए आयातों की तुलना में लगभग 24 गुना वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट तौर पर यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा अपनाई गई कीमत कटौती की आक्रामक नीति के कारण संबद्ध देशों से आयातों ने उच्चतर बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

65. इसके अलावा, भारत में कुल मांग की तुलना में संबद्ध देशों से हुए आयात अप्रैल, 04-मार्च, 05 के दौरान 1.45% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 20.37% हो गए हैं।

66. याचिकाकर्ताओं के घरेलू उत्पादन के प्रतिशत की तुलना में संबद्ध देशों से आयात अप्रैल, 04-मार्च, 05 के वर्ष में 4.33% के स्तर से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 39.24% हो गए हैं। इस प्रकार, संबद्ध देशों से आयातों में न केवल समग्र रूप में अपितु भारत में कुल आयातों, बाजार मांग और घरेलू उत्पादन के हिस्से के रूप में भी वृद्धि हुई है।

67. यह अनुरोध किया गया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य में आगे और गिरावट आई है जो पिछले दो वर्षों में पहले से ही कम चल रही थी जबकि घरेलू उद्योग सतत दबाव में था और वह अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं कर सका। वस्तुतः क्षति जांच अवधि के दौरान घरेलू बिक्री कीमत में गिरावट आई है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

68. क्षति की जांच की अवधि के दौरान मांग में 73% वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग के हिस्से में भी वृद्धि हुई है। पिछली जांच में इंडोनेशिया, कोरिया, मलेशिया एवं ताइवान के विरुद्ध शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भी वृद्धि हुई है। तथापि यह देखा जा सकता है कि मांग में 73% की कुल वृद्धि की तुलना में घरेलू बिक्रियों के हिस्से में केवल 7% की वृद्धि हुई, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि घरेलू बिक्री की मात्रा प्रभावित हुई है।

69. घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग, जो वर्ष अप्रैल, 04-मार्च, 05 के दौरान 83% था, बढ़कर जांच अवधि के दौरान 96% हो गया। वर्तमान मामले में क्षमता उपयोग के विश्लेषण से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के प्रभाव के बारे में पर्याप्त सूचना प्राप्त नहीं होगी। संबद्ध वस्तुओं की क्षमता विभिन्न कारकों पर निर्भर होती है। उदाहरणार्थ कम डेनियर की तुलना में उच्च डेनियर की परिणति उच्चतर उत्पादन में होगी।

70. आधार वर्ष 2004-05 की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में सुधार हुआ है।

71. पिछली जांच में संबद्ध देशों की मात्रा में गिरावट और मांग में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप जांच की अवधि के दौरान घरेलू बिक्रियों में वृद्धि
72. कर्मचारियों की संख्या और उन्हें भुगतान की गई मजदूरी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।
73. संबद्ध देशों द्वारा किए गए पाटन से घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त आय पर अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। यह निवेदन किया गया है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा व्यापक पैमाने पर की गई कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग क्षति की अवधि के दौरान कीमत में वृद्धि करने में समर्थ नहीं था। अतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता नकारात्मक बनी रही।
74. यह निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग अपने निवेश से वांछित आय प्राप्त नहीं कर सका।
75. घरेलू उद्योग की मालसूचियों में वृद्धि हुई, जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में कठिनाई का सामना करता रहा।
76. यह बताया गया है कि प्रत्येक संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का पहुंच मूल्य संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से घरेलू उद्योग को जो कीमत प्राप्त होनी चाहिए थी, उससे बहुत कम है। व्यापक पैमाने पर कम कीमत पर की गई बिक्री के क्षतिकारक प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर इसका प्रत्यक्ष एवं नुकसानदायक प्रभाव पड़ा।
77. संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमत के अत्यंत कम कीमत पर हुई, अपितु संबद्ध देशों के निर्यातकों ने उल्लेखनीय कीमत कटौती भी की है; अतः पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की क्षति और भी बढ़ गई है। इस प्रकार घरेलू उद्योग पर अपनी कीमतों को वर्तमान कीमतों, जो लाभदायक हैं ही नहीं, से भी कम बनाए रखने का लगातार दबाव बना हुआ है।
78. यह निवेदन किया गया है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद लाभ ***% के अत्यंत मामूली स्तर पर था, जो घरेलू उद्योग को हई क्षति को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।
79. यह निवेदन किया गया है कि आधार वर्ष 2004-05 की तुलना में जांच अवधि के दौरान देश में मांग में 73% की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि में घरेलू बिक्रियों के बाजार हिस्से में केवल 8.72% की वृद्धि हुई है।
80. जांच अवधि के दौरान कम आय के मद्देनजर क्षमता में और अधिक विस्तार हेतु पूंजी जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता व्यावहारिक नहीं है।

81. इस तथ्य के अलावा कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा भी आसन्न है।

82. पूर्ववर्ती अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। आयात अप्रैल 2004-मार्च, 2005 में 1610 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 39137 मी.टन हो गए हैं।

83. संबद्ध देशों से आयात अत्यंत कम कीमतों पर किए जा रहे हैं, जिनके कारण घरेलू उद्योग अपनी लागत को वसूल कर पाने में भी समर्थ नहीं हैं। घरेलू उद्योग की कीमतों में मंदी के बावजूद संबद्ध देशों से वर्तमान में हो रही भारी कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग घाटे में चल रहा है। इस समय याचिकाकर्ताओं के लिए प्रचालन अत्यंत कठिन हो गया है और घरेलू उद्योग का जीवित रह पाना भी कठिन हो रहा है। अतः संबद्ध देशों से वर्तमान पाटन को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करना घरेलू उद्योग के हित में होगा।

84. घरेलू उद्योग यह भी समझता है कि संबद्ध देशों में निपटान योग्य क्षमता एवं बेशी उत्पादन अत्यंत व्यापक है और यदि पाटनरोधी शुल्क तुरंत नहीं लगाया जाता, तो इसके भारतीय बाजार में प्रवेश करने की संभावना है।

85. जहां तक निर्यातकों की मालसूचियों का संबंध है, घरेलू उद्योग इसका कोई साक्ष्य नहीं जुटा सका है।

कारणात्मक संबंध के बारे में यह निवेदन किया गया है कि:

86. चीन, इंडोनेशिया, कोरिया, थाइलैंड एवं वियतनाम से इतर स्रोतों से संबद्ध वस्तुओं का आयात जांच अवधि के दौरान न्यूनतम से कम रहा है। इंडोनेशिया तथा कोरिया से आयात पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हैं। अतः केवल संबद्ध देशों से आयात ही पाटित कीमतों पर किए जा रहे हैं और न्यूनतम सीमा से अधिक हैं, जिनके परिणामतः घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है। अन्य सभी देशों से आयात न्यूनतम से कम हैं।

87. जांच की अवधि के दौरान मांग में, जांच अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है। अतः मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है।

88. संबद्ध वस्तुओं का बाजार एक ही है, जहां पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा करते हैं। कीमत का निर्धारण आपूर्तिकर्ता की पसंद के अनुसार होता है। पाटित वस्तुएं स्वदेशी उत्पादकों के उत्पादों को प्रतिस्थापित कर रही हैं। घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की तर्ज पर आयातित उत्पाद भी उसी वाणिज्यिक ग्रेडों, मानदंडों और विनिर्देशनों के अनुसार बेचा जाता है। आयातित वस्तुएं और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुएं समान वस्तुएं हैं और वे समान अनुप्रयोगों/अंतिम उपयोगों में प्रयुक्त की जाती हैं। अतः आयातित स्रोतों से अथवा घरेलू स्रोतों से वस्तु की खरीद में कीमत निर्धारण

सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक बन जाता है। जहां तक संबद्ध उत्पादों का संबंध है, घरेलू उद्योग समुचित बिक्री कीमत/लाभ अर्जित नहीं कर पा रहा है। इसका प्रत्यक्ष कारण संबद्ध देशों से कम कीमत वाले आयातों को माना जा सकता है क्योंकि घरेलू उद्योग से संबद्ध देशों के आयातकों द्वारा दी जाने वाली कीमतों के अनुरूप रहने की सदैव अपेक्षा की जाती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां अथवा प्रौद्योगिकी संबंधी मुद्दे भी नहीं हैं, जिन्हें घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जाए। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में भी बढ़ोत्तरी हुई है, अतः घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति पर कोई हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ा है। जहां तक विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा का संबंध है, यह निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग को केवल संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण अनुचित व्यापार से नुकसान हो रहा है। यदि आयात उचित सामान्य कीमतों पर किए जाते हैं, तो घरेलू उद्योग आयातों से पूर्णतः प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में होगा। यह नोट किया जा सकता है कि घरेलू बिक्रियों की तुलना में निर्यात बिक्रियों की मात्रा अत्यंत कम है। अतः घरेलू उद्योग के निर्यात कार्य निष्पादन ने घरेलू बाजार में याचिकाकर्ता की वित्तीय एवं आर्थिक स्थिति को किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं किया है। मामला चाहे जो हो, पूर्ववर्ती खंड में उल्लिखित क्षति विश्लेषण में निर्यात बिक्रियों को शामिल नहीं किया गया है।

भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाना

89. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद का संबद्ध देशों द्वारा न केवल पाटन किया जा रहा है, अपितु पिछली जांच में भी संबद्ध देशों द्वारा इसका पाटन किया गया था। संबद्ध वस्तुओं का पिछले अन्य वर्षों से लगातार पाटन किया जा रहा है। अतः घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से यथाशीघ्र अधिरोपित करने का अनुरोध किया है। इस संबंध में सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (3) और धारा 9 क (2) के साथ पठित भारतीय पाटनरोधी नियमावली के नियम 20 तथा नियम 13 की ओर प्राधिकारी का ध्यान आकृष्ट किया गया है, जिसमें भूतलक्षी प्रभाव से शुल्क के अधिरोपण एवं उन परिस्थितियों का उल्लेख किया गया है जिनके अंतर्गत भूतलक्षी प्रभाव से शुल्क लगाया जा सकता है। धारा 9 क (3) तथा नियम 20 निम्नानुसार है :

"9 क (3) जांच के अधीन पाटित वस्तु के संबंध में यदि केन्द्र सरकार का यह अभियान है कि -

(i) पाटन काफी पहले से किया जा रहा है, जिससे क्षति हुई है अथवा यह कि आयातक को यह ज्ञात था अथवा ज्ञात होना चाहिए था कि निर्यातक पाटन कर रहा है और यह कि ऐसे पाटन से क्षति पहुंचेगी; और

(ii) अपेक्षाकृत लघु अवधि में आयातित किसी वस्तु के भारी मात्रा में पाटन से क्षति हुई है, जिससे पाटित आयातित वस्तु के समय और मात्रा एवं अन्य परिस्थितियों के

अद्देनजर लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क का सुधारात्मक प्रभाव कम होने की संभावना है, तो

केंद्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से उप धारा (2) के अंतर्गत भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से पहले की तारीख से पाटनरोधी शुल्क लगा सकती है परंतु इस उपधारा के अंतर्गत अधिसूचना की तारीख से नब्बे दिन बाद और इस समय लागू किसी कानून में किसी बात के होते हुए भी ऐसे शुल्क का भुगतान उस दर एवं उस तारीख से किया जाएगा, जिसे अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया गया हो ।

नियम 20(2)(ख): अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (3) में उल्लिखित परिस्थितियों में पाटनरोधी शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से ऐसा अनंतिम शुल्क लगाए जाने के नब्बे दिन पूर्व की तारीख से लगाया जा सकता है:

परंतु जांच की शुरूआत से पूर्व घरेलू खपत हेतु प्रविष्ट आयातों पर भूतलक्षी प्रभाव से कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा:

परंतु यह और कि नियम 15 के उप नियम (6) में उल्लिखित कीमत अभिवचन के उल्लंघन के मामलों में ऐसे अभिवचन की शर्तों के उल्लंघन से पूर्व घरेलू खपत हेतु प्रविष्ट आयातों पर भूतलक्षी प्रभाव से कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा ।"

30. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने के संबंध में पाटन का एक इतिहास रहा है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । वर्तमान मामले में भी पाटन का इतिहास है और घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । यह देखा जा सकता है कि संबद्ध देशों से आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह वर्ष 2004-05 से 1610 मी.टन से बढ़कर 39137 मी.टन हो गया है । इसके साथ-साथ पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान आयात (प्रतिशत के रूप में) बढ़कर लगभग दोगुने हो गए हैं । उल्लेखनीय है कि कतिपय देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद आयातों में निरपेक्ष रूप में तथा सापेक्ष रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है जिससे यह स्पष्ट है कि अपेक्षाकृत कम समय में ही भारी पाटन किए जाने के कारण क्षति हुई है । वर्तमान मामले में भी जांच अवधि के दौरान कुल आयातों में चीन, थाईलैण्ड तथा वियतनाम के आयातों का योगदान 89.64% है जो आधार वर्ष की तुलना में 4.83% बढ़ गया है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है ।

उ2 प्राधिकारी द्वारा जांच

अनि का संचयी आकलन

91. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) में यह अपेक्षा की गई है कि जब एक से अधिक देशों के उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही हो, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से आकलन करेंगे, यदि यह निर्धारित हो जाता है कि :-

- I. अलग-अलग देशों से किए गए आयात न्यूनतम से अधिक हैं और आयातों में उनका संचयी योगदान 7% से अधिक है;
- II. अलग-अलग देशों के विरुद्ध पाटन मार्जिन 2% से अधिक है; और
- III. आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के अनुसार आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन समुचित है।

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयात संबद्ध देशों सहित अनेक देशों से एक साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। अतः इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी आकलन के मुद्दे की जांच उपर्युक्त मानदंडों के संदर्भ में की गई है और यह देखा गया है कि

- i) प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पादों के पाटन की मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- ii) प्रत्येक संबद्ध देश/भू-भाग अलग-अलग उत्पादों के पाटन की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- iii) घरेलू उत्पाद तथा विभिन्न देशों के उत्पादकों द्वारा आपूर्त उत्पाद समान वस्तुएं हैं;
- iv) संबद्ध देशों के आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है।

93. प्राधिकारी का मानना है कि इस मामले में क्षति का संचयी आकलन करना उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से अलग-अलग उत्पादों के निर्यात एक-दूसरे से और घरेलू उद्योग द्वारा भारतीय बाजार में उतारी गई समान वस्तुओं से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

94. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में क्षति के निर्धारण हेतु निर्धारित सिद्धांतों में यह प्रावधान है कि

"क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और ; (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यप्रक जांच शामिल होगी।"

95. यहां तक घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव का प्रश्न है, पाटनरोधी नियमावली (नियमुल्ध-॥) के पैरा (iv) में उल्लेख किया गया है कि :

“पाठित घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री लाभ, उत्पादन, विक्री हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और अस्वाभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर विक्रीक और संभावित नुकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूँजी नियमों जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा ।”

पाठित आयातों की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

96. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयातों की मात्रा निम्नानुसार रही है:

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टू. 06 से सितं. 07
संबद्ध देशों से आयात (मी.ट.)	1610	13252	31397	39137
कुल आयात (मी.ट.)	33368	33438	56953	43659
% हिस्सा	4.83%	39.63%	55.13%	89.64%

97. इनकारा आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा अप्रैल, 04-मार्च, 05 में 4.83% थे बढ़कर जांच अवधि के दौरान 89.64% हो गया । यह भी देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में वर्ष अप्रैल 04-मार्च, 05 के आयातों की तुलना में लगभग ३५ गुना वृद्धि हुई । इसी अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में गिरावट आई, जो 31757 मी.टन से जांच अवधि में 4572 मी.टन हो गए अर्थात् इनमें आधार वर्ष की तुलना में 14.23% की गिरावट आई, जिससे स्पष्ट है कि कुछेक देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद संबद्ध देशों के आयातों ने अन्य देशों के आयातों के हिस्से पर कब्जा कर लिया ।

मांग में बाजार हिस्सा

98. मांग का आकलन घरेलू उद्योग की बिक्री, अन्य उत्पादकों (घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त अनुमान) और सभी देशों के आयातों को जोड़कर किया गया है । आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में 74% की वृद्धि हुई है । मात्रा के रूप में मांग में 81033 मी.टन की वृद्धि हुई है । घरेलू उद्योग का हिस्सा आधार वर्ष में 37.8% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 51.6% हो गया । मात्रा के रूप में 81033 मी.टन की मांग की तुलना में घरेलू उद्योग तथा अन्य उत्पादकों ने मांग में 70742 मी.टन की वृद्धि की है । संबद्ध देशों से मांग में हिस्से में आधार वर्ष में 1.5% से जांच अवधि में 20.5% की वृद्धि की,

जबकि इसी अवधि के दौरान अन्य देशों का हिस्सा 29% से घटकर 2.37% रह गया । मांग में कुल आयातों का हिस्सा 30.04% से घटकर 22.88% रह गया ।

99. आबद्ध खपत तथा निर्यातों के अनुसार भी मांग का आकलन किया गया है । मांग में घरेलू उद्योग, अन्य उत्पादकों का हिस्सा, संबद्ध देशों से आयात, अन्य देशों से आयात और कुल आयात भी एक समान प्रवृत्ति दर्शाते हैं :-

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टू. 06 से सितं. 07
मांग				
घरेलू उद्योग की बिक्री	36043	43161	78940	98365
प्रवृत्ति	100	120	219	273
अन्य उत्पादकों की बिक्री	40355	41569	48647	48774
प्रवृत्ति	100	103	121	121
कुल आयात	33368	33438	56953	43659
कुल मांग	109765	118168	184541	190798
प्रवृत्ति	100	108	168	174
मांग में बाजार हिस्सा				
घरेलू उद्योग की बिक्री (%)	32.84	36.53	42.78	51.55
अन्य उत्पादकों की बिक्री	36.76	35.18	26.36	25.56
संबद्ध देश	1.46	11.21	16.98	20.51
अन्य देश	28.98	17.08	13.01	2.37
कुल आयात	30.40	28.30	30.86	22.88

100. भारत में कुल मांग की तुलना में संबद्ध देशों से आयात अप्रैल 04-मार्च, 05 में 1.46% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 20.51% हो गए हैं ।

घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में आयात

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टू. 06 से सितं. 07

संबद्ध देशों से आयात (मी.ट.)	1610	13252	31397	39137
उत्पादन (मी.ट.)	37227	51928	84403	99479
% हिस्सा	4.33%	25.52%	37.20%	39.34%

101. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन के प्रतिशत के रूप में आयात आधार वर्ष में 4.33% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 39.34% हो गए ।

102. आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयात न केवल समग्र रूप से बढ़े हैं अपितु भारत में कुल आयातों, बाजार में मांग तथा घरेलू उत्पादन के हिस्से के रूप में भी इनमें वृद्धि हुई है ।

क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

103. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टू बर 06 से सितं. 07
क्षमता (मी.ट.)	44869	55194	95290	101346
प्रवृत्ति	100	123	212	229
उत्पादन (मी.ट.)	37227	51928	84403	99479
प्रवृत्ति	100	139	227	267
क्षमता उपयोग%	82.97%	94.08%	88.57%	96.87%

104. घरेलू उद्योग की क्षमता वर्ष 2004-05 में 44869 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि में 101346 मी.टन हो गई, अर्थात् इसमें 56477 मी.टन (1296%) की वृद्धि हुई । इसी अवधि के दौरान उत्पादन भी 37227 मी.टन से बढ़कर 99479 मी.टन हो गया, अर्थात् 62252 मी.टन (167%) की वृद्धि हुई । क्षमता उपयोग (वर्धित) आधार वर्ष के दौरान 82.97% से बढ़कर जांच अवधि में 98.16% हो गया । यह स्पष्टीकरण दिया गया है कि उत्पाद की संरचना में परिवर्तन के अनुसार क्षमता में भी परिवर्तन होगा । संबद्ध वस्तुओं की क्षमता विभिन्न कारकों पर निर्भर होती है । उदाहरणार्थ कमतर डोनियर की तुलना में उच्च डोनियर की परिणति उच्चतर उत्पादन में होती है । अतः क्षमता उपयोग घरेलू उद्योग की अप्रयुक्त क्षमता का सही संकेतक नहीं है ।

बिक्री

105. घरेलू उद्योग द्वारा की गई बिक्री की मात्रा का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टूबर 06 से सितं. 07
घरेलू उद्योग की बिक्री	36043	43161	78940	98365
प्रवृत्ति	100	120	219	273
अन्य उत्पादकों की बिक्री	40355	41569	48647	48774
प्रवृत्ति	100	103	121	1121

106. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष से जांच अवधि तक मांग में 81033 मी.टन की वृद्धि की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री में 62322 मी.टन तथा अन्य उत्पादकों की बिक्री में 8420 मी.टन की वृद्धि हुई है। मांग में 83163 मी.टन की वृद्धि की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री (आबद्ध खपत एवं निर्यात सहित) 71094 मी.टन तथा अन्य उत्पादकों की बिक्री में 8420 मी.टन की वृद्धि हुई है।

107. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, लाभ एवं नकद प्रवाह का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टूबर 06 से सितं. 07
बिक्री लागत	***	***	***	***
लागत रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	96	102	99
निवल बिक्री प्राप्ति(लाख रुपए में)	***	***	***	***
एनएसआर रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	96.50	99	95
लाभ/हानि/रु.किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	100	6	-15
लाभ/हानि	***	***	***	***
पीबीआईटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	116	105	70
नकद लाभ	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	109	107	97

--	--	--	--	--

108. घरेलू उद्योग के आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष में 100 की तुलना में जांच अवधि में प्रति इकाई बिक्री लागत घटकर 99(सूचीबद्ध) हो गई। मूल्य के रूप में बिक्री लागत में 6.36 रु. प्रति किग्रा. की गिरावट आई। इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति आधार वर्ष में 100 की तुलना में घटकर 95 (सूचीबद्ध) हो गई। मूल्य के रूप में बिक्री कीमत में ***. प्रति किग्रा. की गिरावट आई। प्रति किग्रा. लाभ आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से घटकर जांच अवधि में -15 हो गया।

109. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष से वर्ष 2006-07 तक लाभ में गिरावट आई और जांच अवधि में यह घाटे में तब्दील हो गई।

नकद प्रवाह

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के दोनों घटक बहु-उत्पाद, बहु स्थानी कंपनियां हैं। किसी भी कंपनी द्वारा विचारणीन उत्पाद के नकद प्रवाह के बारे में अलग से सूचना नहीं रखी जाती है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की नकद लाभ की स्थिति का निर्धारण किया जिससे यह पता चलता है कि आधार वर्ष से 2005-06 तक नकद लाभ में सुधार हुआ और 2006-07 और जांच अवधि के दौरान उसमें पुनः गिरावट आई। सूचीबद्ध रूप में यह आधार वर्ष में 100 से छाटकर जांच अवधि में 97 हो गई।

घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक

111. क्षति अवधि के दौरान मूल सीमा शुल्क वर्ष 2004-05 में 20% से घटकर वर्ष 2006-07 में 10% और मार्च, 07 जांच अवधि तक घटकर 7.5% हो गया। वर्ष 2004-05 में आधार वर्ष से बिक्री लागत में जांच अवधि में 0.69 रु./किग्रा. की गिरावट आई। यद्यपि वर्ष 2005-06 तथा 2006-07 में संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य में गिरावट आई तथापि जांच अवधि में इसमें तेजी से गिरावट आई। क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में अत्यधिक कटौती हुई।

कीमत कटौती

112. संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास तथा कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) तथा क्षति रहित कीमत (एनआईपी) (घरेलू उद्योग की लागत सूचना के आधार पर परिकलित) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

113. जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में करों, घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त रिबेट, छूट तथा कमीशन का समायोजन किया गया है।

114. यह नोट किया गया है कि समूची क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों के कारण कीमत कटौती जारी रही। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से कटौती 10-25% के बीच रही थी।

कीमत कटौती

संबद्ध देश

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टू. 06 से सितं. 07
घरेलू उद्योग की औसत निवल बिक्री कीमत	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	***	***	***	***
कटौती	***	***	***	***
कटौती %	***	***	***	***

	संबद्ध देश	चीन	थाइलैंड	वियतनाम
घरेलू उद्योग की औसत निवल बिक्री कीमत	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	***	***	***	***
कटौती की मात्रा	***	***	***	***
कटौती का %	***	***	***	***

कम कीमत पर बिक्री

115. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है। कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकालने के लिए क्षति रहित कीमत की गणना कर उसकी तुलना संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर उचित विचार करते हुए घरेलू उत्पादकों के लिए क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन किया गया है। विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से काफी कम था। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के लिए कम कीमत पर बिक्री का मार्जिन 20-33% के बीच रहा था।

कम कीमत पर बिक्री

	संबद्ध देश	चीन जन.गण.	थाइलैण्ड	वियतनाम
एनआईपी	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री का %				

लगाई गई पूँजी पर आय

116. लगाई गई पूँजी पर आय से संबंधित सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि- अक्टू. 06 से सितं. 07
निवल नियत परिसंपत्तियां	***	***	***	***
कार्यशील पूँजी लाख रु.	***	***	***	***
लगाई गई पूँजी लाख रु.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	181	255	236
पीबीआईटी लाख रु.	***	***	***	***
लगाई गई पूँजी पर आय - एनएफए %	***	***	***	***

117. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में लगाई गई पूँजी में 163% की वृद्धि हुई है। लगाई गई पूँजी में वृद्धि क्षमता व हानि और कार्यशील पूँजी में बढ़ोत्तरी के कारण हुई है। आधार वर्ष से जांच अवधि तक लगाई गई पूँजी पर आय में सुधार हुआ। लगाई गई पूँजी पर आय (एनएफए आधार पर) सकारात्मक बनी रही परंतु आधार वर्ष से जांच अवधि तक इसमें गिरावट आई। सूचीबद्ध रूप में यह आधार वर्ष में 100 से घटकर जांच अवधि में 30 हो गई।

रोजगार एवं मजदूरी

118. घरेलू उद्योग के रोजगार एवं मजदूरी के स्तर निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टू. 06 से सितं. 07
कर्मचारियों की सं.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	119	187	197
मजदूरी कुल (लाख रुपए)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	109	140	168

119. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में कर्मचारियों की संख्या में 97% की वृद्धि हुई । इसी अवधि के दौरान कर्मचारियों की मजदूरी में 68% की वृद्धि हुई ।

उत्पादकता

120. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में प्रदर्शित घरेलू उद्योग की लाभप्रदता निम्नलिखित तालिका में दी गई हैं-

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टू. 06 से सितं. 07
उत्पादकता (भी.ट.)	***	***	***	***
कर्मचारी	***	***	***	***
उत्पादन/कर्मचारी	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	118	122	136

121. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता अर्थात् प्रति कर्मचारी उत्पादन में 36% का सुधार हुआ ।

वृद्धि

122. मांग, क्षमता, उत्पादन एवं बिक्री में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है । बिक्री लागत तथा बिक्री कीमत में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है । लाभप्रदता (प्रति इकाई लाभ) पीबीआईटी तथा लगाई गई पूंजी पर आय में नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है ।

मालसूची

123. घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई है जिससे स्पष्ट तौर पर यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की बिक्री करने में घरेलू उद्योग को कठिनाई हो रही है ।

	अप्रैल 04 से मार्च 05	अप्रैल 05 से मार्च 06	अप्रैल 06 से मार्च 07	जांच अवधि-अक्टू. 06 से सितं. 07
मालसूची औसत स्टॉक (भी.ट.)	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	65	155	310
बिक्री प्रति दिन	***	***	***	***
बिक्री दिवसों के संबंध में औसत स्टॉक	***	***	***	***

पूंजी/पैसा जुटाने की क्षमता

124. जांच अवधि के दौरान कम आय को ध्यान में रखते हुए क्षमता में आगे और किसी विस्तृत जांच पूंजी निवेश जुटाने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता व्यवहार्य नहीं है।

च. विक्रेता

125. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान वस्तु के उत्पादन में 167% (62252 मी.टन) की वृद्धि हुई है। मांग में 173% (81033 मी.ट.) की वृद्धि की तुलना में बिक्री में भी 147% (62322 मी.टन) की वृद्धि हुई है। अन्य उत्पादकों की बिक्री (घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त अनुमति के अनुसार) में भी वृद्धि हुई है। बिक्री सौदों के संबंध में स्टॉक की औसत माल सूची आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में लगभग एक समान नहीं है। इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मांग में हिस्सा 32.84% से बढ़कर जांच अवधि में 51.55% हो गया है। सभी देशों का हिस्सा 1.46% से बढ़कर जांच अवधि में 20.51% हो गया परंतु अन्य देशों के हुए आयातों का हिस्सा 28.88% से तेजी से घटकर 2.36% हो गया। परिणामतः कुल आयातों का हिस्सा 30.34% से घटकर जांच अवधि में 22.83% हो गया। आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा मांग में हिस्से में वृद्धि कर रहा है बढ़ोत्तरी का लाभ उठाने में समर्थ रहा है।

126. केंद्री लागत आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से घटकर जांच अवधि में 96 हो गई अर्थात् *** रु. प्रति कि.ग्रा. की गिरावट आई लेकिन बिक्री कीमत घटकर 95 (सूचीबद्ध) हो गई अर्थात् *** रु. प्रति कि.ग्रा. की कमी आई। आधार वर्ष में घरेलू उद्योग को लाभ (प्रति इकाई) नहीं रहा था और उसे वर्ष जांच अवधि को छोड़कर जब उसे घाटा हुआ था, क्षति अवधि के दौरान लाभ जारी रहा। प्रति इकाई घाटा आधार वर्ष में -100 से घटकर जांच अवधि में -16 (प्र०१६८) हो गया। तथापि पीबीआईटी वर्ष क्षति अवधि के दौरान सकारात्मक बना रहा। लगाई गई पूंजी पर आय वर्ष 2005-06 में *** थी। वह जांच अवधि में ***% हो गई।

कारणात्मक संबंध और अन्य कारक:

पाठित कोमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा एवं कीमतें

127. पूर्वोक्त पैराग्राफों में आयातों के दिए गए व्यौरों से यह स्पष्ट हो जाता है कि जांच अवधि के दौरान चीन, इंडोनेशिया, कोरिया, थाइलैण्ड तथा वियतनाम से भिन्न स्रोतों से संबद्ध वस्तुओं का आयात न्यूनतम सीमा से कम रहा है। इंडोनेशिया और कोरिया से आयातों पर

पाटनरोधी शुल्क लागू है। अतः केवल संबद्ध देशों से आयात पाटित कीमतों पर किए जा रहे हैं और वे न्यूनतम सीमा से अधिक रहे हैं जिससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। अन्य सभी देशों आयातित न्यूनतम सीमा से कम रही है।

विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों का व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

128. प्राधिकारी को घरेलू उद्योग या किसी अन्य भारतीय उत्पादक द्वारा अपनाए गए किसी व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार का पता नहीं चला है।

मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

129. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं आई है। इसके विपरीत क्षति अवधि के दौरान समग्र मांग में 74% की वृद्धि हुई है। अतः मांग में संभावित कमी ऐसा कोई कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो। खपत की पद्धति में परिवर्तन के बारे में हितबद्ध पक्षकारों ने कोई तर्क नहीं दिया है और न ही जांच से खपत पद्धति में संभावित परिवर्तन का पता चला है।

130. क्षति जांच अवधि की तुलना में जांच अवधि में मांग में वृद्धि हुई है अतः मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है।

घरेलू उद्योग का प्रौद्योगिकी विकास, निर्यात निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता

131. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस आशय का कोई तर्क नहीं दिया है कि इन कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। इसके अलावा, जांच से यह पता नहीं चला है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई खास परिवर्तन हुआ है। घरेलू उद्योग ने वर्ष 2002-03 को छोड़कर न तो पर्याप्त निर्यात किया है और न ही घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में गिरावट आई है। वस्तुतः वर्ष 2002-03 के बाद घरेलू उद्योग के निर्यातों में वर्ष 2003-04 में पर्याप्त गिरावट आई और तत्पश्चात उनमें वृद्धि हुई।

कारणात्मक संबंध

132. संबद्ध वस्तु पर इंडोनेशिया, कोरिया आरओके, मलेशिया और चीनी ताइपेई से हुए आयातों पर वर्ष 2006 में पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। इन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद आयातों में अत्यधिक गिरावट आई थी लेकिन अन्य देशों से आयातों में भारी वृद्धि हुई थी। जांच अवधि में संबद्ध देशों ने कुल आयातों के 89.64% पर कब्जा कर लिया है। संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण कीमत कटौती 10-25% के बीच और कम कीमत पर बिक्री 18-30% के बीच हुई जिससे यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत दबाव में बनी रही। परिणामतः लाभप्रदता एवं लाभ में वर्ष 2006-07 में हुआ सुधार बरकरार नहीं रह सका और निष्पादन में वर्ष 2005-

06 तथा जांच अवधि में गिरावट आनी शुरू हो गई। आधार वर्ष की तुलना में लाभ (पीबीआईटी) में सुधार हुआ लेकिन लगाई गई पूंजी पर आय वर्ष 2005-06 में सकारात्मक होने के बाद गिरावट में तब्दील हो गई। लगाई गई पूंजी पर आय कम बनी रही।

133. घरेलू उद्योग ने अपने उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि कर बाजार हिस्सा प्राप्त करना जारी रखा लेकिन इन्हीं देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद मात्रा में आए सुधार से वित्तीय निष्पादन में सुधार नहीं हो सका। वर्ष 2005-06 को छोड़कर प्रति इकाई घाटा जारी रहा। इसी प्रकार वर्ष 2005-06 को छोड़कर, जब आरओआई में सुधार हुआ था, यह भी कम बनी रही।

134. उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती के रूप में उसके निष्पादन पर दबाव बना रहा रहा जिससे पाटित आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन के बीच कारणात्मक संबद्ध का पता चलता है।

छ. निष्कर्ष

135. प्रधिकारी पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

- क. संबद्ध देश से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- ख. घरेलू उद्योग को इससे वास्तविक क्षति हुई है;
- ग. यह क्षति संबद्ध देशों से होने वाले पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

136. प्रधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को क्षति हो रही है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से होने वाले आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

ज्ञ. सिफारिशें

137. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निम्नलिखित स्वरूप और तरीके से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

138. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क संबंधी नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन या क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नांकित तालिका के कालम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं	ट्रैफिक मद	वस्तु का वर्णन	विनिर्देशन	उद्गम का देश	नियाति का देश	उत्पादक	नियातिक	घनराशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	5402.47	सभी पूर्णतः ड्रॉन या पूर्णतः ऑरिएन्टेड यार्न/स्थिन ड्रॉ यार्न/फ्लैट यार्न (नॉन- टेक्सर्चर्ड और नॉन- पीओवाई) और अन्य यार्न	कोई	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	टॉगकुन ग्रुप कं.लि.	टॉगकुन ग्रुप कं.लि.	240	मी.ट.	अम. डॉ.
2	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	टॉगकुन ग्रुप हेंगशेंग केमिकल फाइबर कं.लि.	टॉगकुन ग्रुप हेंगशेंग केमिकल फाइबर कं.लि.	247	मी.ट.	अम. डॉ.
3	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	जियानसू हेंगली केमिकल्स फाइबर कं. लि.	जियानसू हेंगली केमिकल्स फाइबर कं. लि.	256	मी.ट.	अम. डॉ.
4	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त क्र.सं. 1 से 3 में उल्लिखित संयोजन से भिन्न कोई	उपर्युक्त क्र.सं. 1 से 3 में उल्लिखित संयोजन से भिन्न कोई	547	मी.ट.	अम. डॉ.
5	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से भिन्न कोई	कोई	कोई	547	मी.ट.	अम. डॉ.
6	-वही-	-वही-	-वही-	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उन देशों से इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	547	मी.ट.	अम. डॉ.

7	-वही-	-वही-	-वही-	वियतनाम	वियतनाम	कोई	कोई	350	मी.ट.	अम. डॉ.
8	-वही-	-वही-	-वही-	वियतनाम से इतर अन्य कोई	वियतनाम से इतर अन्य कोई	कोई	कोई	350	मी.ट.	अम. डॉ.
9	-वही-	-वही-	-वही-	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उन देशों से इतर कोई देश	वियतनाम	कोई	कोई	350	मी.ट.	अम. डॉ.
10	-वही-	-वही-	-वही-	थाइलैंड	थाइलैंड	इंडोरामा पालिस्टर इंडस्ट्रीज पब्लिक कं. लि. (पूर्ववर्ती इंडो पॉली (थाइलैंड लि.)	इंडोरामा पालिस्टर इंडस्ट्रीज पब्लिक कं. लि. (पूर्ववर्ती इंडो पॉली (थाइलैंड लि.)	80	मी.ट.	अम. डॉ.
11	-वही-	-वही-	-वही-	थाइलैंड	थाइलैंड	उपर्युक्त क्र.सं. 10 में उल्लिखित संयोजन से भिन्न कोई	उपर्युक्त क्र.सं. 10 में उल्लिखित संयोजन से भिन्न कोई	490	मी.ट.	अम. डॉ.
12	-वही-	-वही-	-वही-	थाइलैंड से इतर कोई	थाइलैंड से इतर कोई	कोई	कोई	490	मी.ट.	अम. डॉ.
13	-वही-	-वही-	-वही-	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उन देशों से इतर कोई देश	थाइलैंड	कोई	कोई	490	किए.	रु.

139. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 23 जनवरी, 2009 के प्रारंभिक जांच परिणामों की की पुष्टि करते हैं, लेकिन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 (2) के अनुसार उपर्युक्त पैरा 138 में संस्तुत शुल्क अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू होने की तारीख से लागू रहेगा।

140. इन जांच परिणामों को केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद इनके खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th September, 2009

Final Findings

Sub: Anti-Dumping Investigation concerning imports “All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester (non-textured and non-POY) and other yarns of originating in or exported from China PR, Thailand And Vietnam

No. 14/3/2008-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995(hereinafter referred to as AD Rules), thereof:

A. Background and Procedure

2. The procedure described below has been with regard to the investigation:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received an application filed by the Association of Synthetic Fibre Industry, on behalf of the domestic industry, alleging dumping All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester (non-textured and non-POY) and other yarns (hereinafter refer to as subject goods) originating in or exported from China PR, Thailand And Vietnam (hereinafter referred to as subject countries).
 - ii) The Authority on the basis of evidence submitted by the applicant found it appropriate to initiate the investigation concerning imports of subject goods originating in/or exported from CHINA PR, THAILAND AND VIETNAM. The authority notified the Embassies of subject countries in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules.
 - iii) The Authority issued a public notice dated 6.5.08 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under Chapter 54 of

Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from subject countries.

- iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose names and addresses were available with the authority) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- v) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose names and addresses were available with the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- vi) Request were made to Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods made in India for the period of investigation and preceding three years. However the transaction wise detail were not available with DGCIS under the Custom Heading 52.07. Therefore, the imports data from Immortal Computer lab Pvt. Ltd. have been relied upon in this findings.
- vii) The Authority provided copies of the non confidential version of the application to the known exporters and the Embassies of subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- viii) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4).
- ix) Other exporters, producers and other interested parties who have not supplied information in this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- x) A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was forwarded to all the known exporters and Embassies of China PR and Vietnam. While for the purpose of initiation the normal value in China PR and Vietnam was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR and Vietnam, the Authority informed known exporters that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR and Vietnam were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to cooperative exporters/producers.

- xi) Importers/users who have not provided information in this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xiii) Information regarding injury was sought from the applicant and other domestic producers also.
- xvi) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xvii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiv) After preliminary findings, all interested parties were asked to file their comments on preliminary findings.
- xv) The Authority held a public hearing on 5.05.09 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of interested parties. The interested parties were asked to file written submissions and rejoinder. The written submissions and rejoinders received from interested parties to the extent considered relevant have been considered in the findings;
- xvi) On the spot verification of the data of exporters were carried out to the extent necessary.
- xvii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for the findings have been disclosed to known interested parties and comments received on the same have been considered in Final Findings.
- xviii) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xviii) Investigation was carried out for the period starting from 1st October 2006 to 30th September 2007 (12 months) i.e. the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the

period from April 2004 - March 2005, April 2005 – March 2006, April 2006 – March 2007 and the POI.

B. Product under consideration and like Article

3. All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester (non-textured and non-POY) and other yarns conforming to the tariff description of Customs Heading 5402.47"

4. The product in commercial market parlance is generally known as 'Fully Drawn Yarn'. The subject goods are used for manufacture of apparel / household textiles, and other industrial textiles.

5. Technical specifications of the subject goods are defined in terms of their deniers, tenacities, lustres, colours (like semi dull, bright, super bright, full dull, Dope dyed), cross section and shrinkage.

6. The subject goods are used for manufacture of apparel / household textiles, and for other industrial applications

7. It has been submitted that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods. Hence, the goods produced by the domestic industry are 'Like Article' to dumped goods from subject countries. There is no difference in the dumped goods and the product under consideration manufactured by the applicants. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like articles' under the Anti Dumping Rules.

8. M/s Thai Polyester Company Ltd. (TPC)submitted that TPC exported mainly the so-called premium grade FDY or SDY (Mono), 20 denier, 1 filament, semi-dull luster, to India during the period of investigation. It is also understood that large Indian domestic producers produced and sold only the non premium SDY grades in the domestic market. Although TPC's export product is classified as Man Made Filaments under Chapter 54 with the sub-heading of 5402-47-00 stipulated under the petition, the product sold by TPC is in fact not the same product type which is largely sold by the Indian domestic industry who claimed for the effecting injury. In order to produce the premium grade FDY, the producers have to use new technology to produce innovative premium grade. As a result, the prices of premium grade FDY are normally higher than those of low grade quality normally produced and sold in typical Indian market. Since the domestic producers in India have not yet produced premium grade FDY, the demand of the SDY (Mono) in Indian market outstrips the supply. Therefore, SDY (mono) product should not be conceivably classified as the subject goods

exporting from Thailand, which cause intrinsically injurious effect to the domestic industry under this investigation.

9. The authority notes that the statement of TPC has not been substantiated with any subsequent evidence. Other co-operating exporters and other interested parties have not raised any issue in this regard, the authority has, therefore, treated the goods produced by the domestic industry are 'Like Article' to dumped goods from subject countries.

C Standing of the applicant and Domestic industry

10. Authority notes that the application has been filed by the Association of Synthetic Fibre Industry on behalf of the Indian domestic industry. Data has been submitted by Reliance Industries Ltd., Nova Petrochemicals Ltd., Gupta Synthetics Ltd. and Chiripal Petrochemicals Ltd. The application was supported by M/s Century Enka Ltd., M/s Indorama Synthetics (I) Ltd., M/s Paras Petrofils Ltd., M/s Garden Silk Mills Ltd., JBF Industries Ltd. and M/s Welspun Syntax Ltd. These producers accounts for 85% of the Indian production and thus have desired standing. The companies providing data account for 68% of total production, therefore constitute domestic industry within the meaning of the Rule 2(b).

Confidentiality

11. In this findings the data of the domestic industry concerning capacity, production and sales etc. have not been kept confidential, however the information concerning customers, prices and costs have been considered confidential.

12. The confidentiality claims of the cooperating exporters relating to their data have been accepted and data/information has been kept confidential as claimed by them in this investigation.

Other Issues

PCN wise information from domestic industry.

13. It has been contended by JIANGSU HENGLI CHEMICALS FIBRE CO.LTD that the logic of having PCN-based determination of dumping is that there is a vast variation within the category of the product under consideration in terms of grades, qualities and prices. In absence of PCN-wise cost and price information, the determination of normal value and export prices would be completely skewed. For example, if in the market in the country of origin of the exporter, the exporter was selling only the least expensive grades/qualities but exports to India were of the higher quality/more expensive grades, the Designated Authority would be forced to come to the conclusion that there is no

dumping at all. Similarly there is every possibility that the Domestic Industry may not be injured in respect of those PCNs which have been exported by Jiansu Hengl or other exporters as well. Therefore, the entire investigation, both on the side of the domestic industry and the exporters, needs to be based on PCN-wise cost and price information.

14. The domestic industry in this regard stated that the PCN -wise information is required from the exporters to determine the dumping margin appropriately. The basis of PCN -wise analysis is emanating from Article 2.4 of WTO Agreement on Anti Dumping which is meant only for dumping margin analysis. It may also be noted that the exporter in their submission has also acknowledged the need of PCN-wise data for the normal value, export price and dumping margin. Therefore, it is neither permissible nor envisaged to extend the concept of PCN wise analysis to any issue other than dumping margin. The concept of model wise or PCN wise analysis is limited in law to the dumping margin under Article 2.4. At the same time paragraph (vi) of Annexure II of the anti dumping Rule which would confirm that the analysis and the requirements of injury analysis of the Domestic Industry are quite different from the mandate of Article 2.4 (or paragraph 6of Annexure I of the Anti Dumping Rules). With regard to maintenance of the record, it has been submitted the cost records are maintained by the domestic industry under the Companies Act. However, the domestic industry is neither required nor is it maintaining or keeping the cost records at the PCN level.

15. The Authority note that for injury analysis, the legal parameters do not require segregated information in respect of different variation of the like article. However, for determination of dumping margin the comparison of different specification of the product would lead to unfair results, therefore comparison is to be made PCN wise. In pursuance of lesser duty rule as being practiced in India and consequently the determination of injury margin it would be desirable to have separate cost of production to calculate accurate non injurious price (NIP) , however, if the information is not maintained by domestic industry, the calculation has to be based on available authentic information. After the preliminary findings, denier-wise information on the cost of production was procured from the domestic industry. The relevant information has been used to construct the normal value, wherever required and NIP to determine injury margin.

Retrospective application of the anti dumping duty

16. The domestic industry has requested for retrospective application of duties on the ground that the PUC is not only being dumped by the subject countries in the present case but has also been dumped by the subject countries in the previous investigation and subject goods have been continuously dumped for the past 3-4 years. Its has further been submitted that imports from subject countries have gone up significantly subsequent to imposition of anti dumping

duties on certain countries clearly indicating that injury is caused by massive dumping in a relatively short time.

17. International Trade Law Consultants on behalf of Tongkun Group Zhejiang Heng Sheng Chemical Fibre Co. Ltd., China has submitted that it would be very unfair to impose retrospective application of anti dumping duty as no injury caused by exporters of the subject goods in a relatively short time. It has also been submitted that the claim of applicant is baseless and unjustified. It has been submitted by M/s Indo Poly (Thailand) Limited that it is an admitted position that there is a history of dumping of subject goods. However, that such history of dumping was not related to imports from Thailand. The Thailand was not subject country in the previous investigation. Regarding massive dumping of article imported in a relatively short time, it has been submitted that it is an admitted fact that there is a decrease in total imports from the base year to period of investigation. At the same time, the share of domestic industry has increased from 32.78% in the base year to 51.6% in the period of investigation. Further, it has been submitted that the burden of proof lies on the domestic industry to justify the retrospective application of the anti dumping duty. The domestic industry is not only required to justify the imposition of anti dumping duty retrospectively but is also required to specify and justify the date from such retrospective application of duty should come into operation. The domestic industry having failed to discharge the above said burden of proof and thus cannot be permitted to ask for the retrospective application of anti dumping duty.

18. The Authority in this regard notes that the allegation that the dumping was being done by the subject countries in the previous investigations has not been substantiated with any evidence. The statement of the domestic industry cannot be ground for imposition of retrospective imposition of duties. It has further been noted that no further evidence on important elements of section 9A(3) have been submitted which may become ground for imposition of duties retrospectively. Therefore, the Authority has not recommended retrospective imposition of anti dumping duty in this investigation.

D Methodology For Dumping Margin Determination

D.1 Submission made by domestic industry

19. It has been submitted that the subject countries namely China and Vietnam are non-market economy countries under the Indian Anti-dumping Rules. Therefore, the normal value in case of China and Vietnam is required to be determined as per the procedure described in the para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules.

20. It has been submitted that for the purpose of determination of normal value in case of a non-market economy country, an appropriate third market economy country is required to be selected as the first alternative. It was

proposed China Taipei Taiwan be taken as an appropriate market economy third country. It has been submitted that the capacity in China and Vietnam for manufacturing the subject goods is close to the manufacturing facility in China Taipei. It has also been submitted that Taiwan be taken as a surrogate country in view of the fact that the industry structure, the average capacity of plants, the cost structure, the production process and the technology are reasonably and fairly close to that found in the subject countries. The domestic industry also has no links or relationship with any of the producers in Taiwan. This proposition is also guided by the fact that Taiwan is a market economy country with considerable competition within the local producers as well as from imported goods. Such conditions are a good indicator of market determined prices.

21. It was further submitted that Domestic Industry tried to get the information on export price details from Taiwan to other countries, however, was not able to get any documentary evidence or reliable information with regard to prices in Taiwan as such information is not available in public domain. For the purpose of initiation, the normal value in Taiwan was constructed, as this is one of the permissible methods under the first set of alternatives in terms of the provisions of paragraph 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules.

D.2 Market Economy Treatment for Cooperating Exporters

22. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR and Vietnam as a non-market economy countries as per para 8(2) of Annexure 1 of the Rules, for purposes of an anti dumping investigation. Upon initiation, the Authority advised the producers/Exporters in these countries to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status.

23. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China and Vietnam to advise producers/exporters in their countries to provide information.

D.3 Submissions by NM/s Jiangsu Hengli Chemicals Fibre Co. Ltd., China PR.

24. It has been stated that the domestic industry has made the following allegations:

1. China is a Non-Market Economy;
2. In the past the Designated Authority has treated China as a Non-Market Economy. Therefore the country should be treated as a Non-market Economy.

3. The Normal Value in respect of exporters from China needs to be constructed.

25. It has also been stated that an established position of trade law that even if a country is being treated as a Non-Market Economy, a company can be accorded Market Economy treatment, provided it fulfils the parameters set for the determination of market economy. It is a matter of record that the DGAD itself has granted market economy treatment to many Chinese companies in the past four years. Further it has been stated that under the Indian Law not only set out four criteria in general that are to be considered by the Designated Authority for Market Economy Status, but also the conditions for consideration of such criteria. Specifically, the terms, such as "significant State interference", "substantially reflect", "significant distortions", "sufficient evidence", "market conditions prevail". Etc. are the conditions which shall be taken into account by the Designated Authority in measuring and applying the criteria for MES. It has been submitted that the Designated Authority should apply the rules under Indian Law, dealing with market Economy Treatment to a cooperating exporter from a designated Non-Market Economy country, only if it is established that there is significant State interference affecting cost and pricing of the subject material and the costs of major inputs substantially reflect market value,. In such investigation, emphasis is to be given on significant State interference, as no where in the world can an enterprise work without State interference, in one form or the other.

26. It has also been submitted that M/s Jiangsu Hengli Chemical Fibre Co. Ltd., China PR was founded in 2002 as a stock holding company with a registered capital of US\$ 50 million. Its main business comprises manufacturing and selling of Polyester Fibre and Differential Chemical Fibre.

27. M/s Jiansu Hengli Chemical Fibre Co. Ltd., is owned by the following companies:

1. Suzhou Shenglun Investment Co.Ltd.,
2. Suzhou Huaer Investment Co. Ltd.,
3. Tak Shing Li International Holdings Ltd.

All these shareholders of the company are neither state owned nor do they have any direct or indirect relation with the State. It is further submitted that in accordance with the Anti-Dumping Rules of India, even erstwhile state owned company which have been transferred to private individuals in a fair manner are not barred from claiming Market Economy Status if they are able to establish that they are operating under a Market Economy System. In the past the Hon'ble Designated Authority has accorded market Economy Status to number of such companies. On the contrary, Jiangsu Hengli is a totally privately established and owned by private companies. Hence Jiangsu Hengli needs to be accorded market Economy Status by the Hon'ble Designated Authority.

28 The Authority has noted that the exporter claimed to be established by Yun Chun Holdings Limited as a wholly foreign owned enterprise in 2002 in Hongkong. In the same year 75% of the shares was transferred to Wujiang Chemical Fibre Weaving Factory. Subsequently balance shares were transferred to Yun Chun Holdings Limited and Hong Kong Tak Shing International Holding Limited . In 2007 Wujiang Chemical Fibre Weaving Factory transferred on it shares to Suzhou Shenlun Investment Co. Ltd. and Suzhou Huaer Investment Co. Ltd..

29 The exporter was asked to provide the annual Reports indicating activities and Balance sheet of the Holding companies. The exporter was asked to explain about the method of valuation of shares and mode of payment. In reply it was stated that the two of the present holding company was established in 2007, therefore no Annual Reports are available, however the Annual Reports and Balance Sheets for Hong Kong Tak Shing International Holding Limited. were provided. It has also been stated that "*while transferring shares the valuation share is determined purely through negotiation of the parties. Part of the payment for transferring shares is made through bank and also in cash.*"

30 During the verification, it was noted that there was no real change of ownership of the company as Wujiang Chemical Fibre Weaving Factory has transferred share to Investment Company which was held by owner of Wujiang Chemical Fibre Weaving Factory. Originally Wujiang Chemical Fibre Weaving Factory was bought by Mr. Chen Jianhua in 1994 by taking loan from bank (As information provided during the verification). In 2003, Mr. Chen Jianhua established China Hengli Group, which is composed of Jiangsu Hengli Chemical Fibre Co. Ltd., Wujiang Chemical Fibre Weaving Factory, Wujiang Huayi Real Estate Co. Ltd., Wujiang Huayi Investment Co. Ltd., Suzhou Yixiang Textile Co., Ltd., Wujiang Chenchen Weaving Co. Ltd., Wujiang Huajun Textile Co. Ltd., Wujiang Huayi Trading Co. Ltd., Wujiang Yunhao Weaving Co. Ltd., Wujiang Tongli Lake Holiday Resort and Suzhou Susheng Thermal Power Co. Ltd.. During the verification process, the company was asked to provide annual report of Wujiang Chemical Fibre Weaving Factory of the year 2002 when it bought Jiangsu Hengli Chemical Fibre Co. Ltd. to know about the flow of funds for purchasing the company. No annual report was provided. For the fund flow, it was stated that "the capital can be received gradually from foreign investment company and rely the capital accumulation". It has also been noted that a Report on company's milestone indicate that *Jiangsu Hengli Chemical Fibre Co. Ltd. financed by Wujiang Chemical Fibre Weaving Factory, was formally established with the occupied area of 80 hectares. It imported two sets of 200,000 ton polyester production plants from German Zimmer AG, the 1152 position FDY and POY with the production capacity of 350,000 terylene products from Japanese TMT Corp. and German German Barmag AG, as well as 120 DTY high speed texturizing machines from Japan and German. The gross investment reaches RMB2.2 billion yuan. It lays a solid foundation for the future development way of large scale group operation.* Further it has been noted that in the response to the

34 The exporter was asked to provide Annual Reports indicating activities and Balance Sheets of ***** for POI and previous 3 years. In reply it was stated that the company does not have Annual Reports however the Annual Audit Reports for the period 2006 and 2007 were provided. On examination of Audited Reports it was noted that in the English translation of Balance Sheet and Income Statement no information about value has been provided and the relevant rows have been kept blank. The authority also noted that one of the activity as informed in the response is "using its own assets to conduct investment".

The exporter was also asked to provide details of transfer of shares by *****, a holding company for Wuxi Godsheel Industry & Trade Ltd. In reply it has been stated that while making transfer there were no valuation of shares.

After the preliminary findings, the exporter did not cooperate for verification of the information submitted. The Authority is therefore constraint to disregard the data submitted by the exporter and treat the exporter as non-cooperative.

TONGKUN GROUP CO. LTD.(TONGKUN GROUP) AND TONGKUN GROUP
HENGSHENG CHEMICAL FIBRE CO.LTD. (HENGSHENG)

37. It has been submitted that Hengsheng has only ***** shareholder i.e. ***** In respect of **** it has been submitted that it has **** share holders .The major shareholders of the Tongkun Groups are ***** Ltd., ***** Ltd., ***** Ltd, and J***** Ltd., in addition to individual shareholders.

38. These exporters were asked to provide Annual Reports indicating activities and Balance Sheets of *****Ltd., *****Ltd., *****.Ltd., *****. (holding companies for exporters) for POI in previous years. It was also asked whether holding companies are /were owned/controlled or any share is/were held by State. In reply the Balance Sheets and Income Statements for these holding companies have been submitted. The information provided in Balance Sheets and Income Statement is inadequate and does not throw any light on the activities of these holding companies.

39. After the preliminary findings, no further information was provided by the companies. During the verification, it was also noted that there was no change in directors of the company from 1999, when it was held by one Asset Management Company and Employee Stock Ownership Companies, to 2002 when the company was transformed and the shares were held by Zhejiang Tongkun Holding Group Company Ltd..

40. In view of the information that the holding company of the manufacturer/exporter were earlier held by state and later on the holding companies only have been changed. The Directors of the company however remained same indicating clearly that these companies are held by the state owned companies. Therefore, it is not possible to grant market economy treatment to these companies as state interference cannot be ruled out in the major decisions making of the companies.

41. After the Disclosure Statement, it was stated that all information was promptly supplied and Authority has no clear evidence that company was earlier held by State. In this regard, it has been noted that during the verification it was informed that they were not aware of the nature of Asset Management Company who was earlier holding company. In view of the fact that the producer/exporter was not even aware/ready to disclose the nature of holding company, therefore, the Authority did not find any reason to change its decision already recorded in preceding paragraph.

Normal Value

Normal Value for China PR

42. In anti-dumping investigations concerning imports originating in non-market economy normal value shall be determined in accordance with para 7 of Annexure 1 of the AD Rules. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of AD Rules provide that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed

value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

43. As explained above, the market economy status has not been accorded any of the exporters. Therefore the normal value has been determined in accordance with para 7 of annexure I of the Rules. The domestic industry at the time of application has proposed Chinese Taipei as a surrogate country for determination of normal value, however no information was made available to the authority. In the responses by the cooperating exporters as well as by the domestic industry, no comment has been provided to treat Chinese Taipei as an "appropriate market economy third country". The authority has therefore determine the normal value in accordance with method "any other reasonable basis".

44. For the purpose of calculating the normal value the international prices of raw materials to India, consumption norm and conversion cost of the efficient producer of the domestic industry have been taken into account. A profit @ 5% has been added to arrive at the normal value. By this methodology the weighted average normal value has been determined as \$***/kg.

Export Price for Cooperating Exporters

Jiangsu Hengli Chemical Fibre Co.Ltd.

45. The exporter has provided transaction wise details of exports to India during the period of investigation. After verification of data, all transactions of exports have been taken into consideration for determination of export price. The expenses incurred on account of local transportation, packing, oversees freight, insurance, custom clearance, handling, VAT loss and other expenses claimed by exporter have been adjusted to arrive at ex-factory export price. By this methodology the ex-factory weighted average export price has been determined as \$***/kg.

TONGKUN GROUP CO.LTD.

46. The exporter has provided transaction wise details of exports to India during the period of investigation. After the verification, all transactions of exports have been taken into consideration for determination of export price. The expenses incurred on account of packing, oversees freight, insurance, Port fee, VAT loss and bank expenses claimed by exporter have been adjusted to arrive at ex-factory export price. By this methodology the ex-factory weighted average export price has been determined as \$***/kg.

TONGKUN GROUP HENGSHENG CHEMICAL FIBRE CO.LTD

47. The exporter has provided transaction wise details of exports to India during the period of investigation. After the verification, all transactions of exports have been taken into consideration for determination of export price. The expenses incurred on account of packing, overseas freight, insurance, Port fee, VAT loss and bank expenses claimed by exporter have been adjusted to arrive at ex-factory export price. By this methodology the ex-factory weighted average export price has been determined as \$***/kg.

WUXI GODSHEEP INDUSTRY & TRADE CO.LTD.

48. After the preliminary findings, the exporter did not cooperate for verification of the information submitted in response to the initiation. In the preliminary findings, separate export price and dumping margin were determined. However, after the preliminary findings, the exporter has been treated as non-cooperative because of refusal to get the data verified. Therefore, no separate dumping margin has been determined for this exporter.

Export price for Non-cooperating Exporter

49. To determine the export price from non cooperating exporters details of the transaction wise export made to India by Immortal Computer lab Pvt. Ltd. have been taken into account. As the transactions are on CIF basis therefore to determine ex factory export price, the expenses incurred on account of export to India have been adjusted. For this purpose the expenses declared by the cooperating exporter had been taken into account and adjusted. By this methodology the ex-factory export price has been determined as \$ ***/kg.

Vietnam

FORMOSA INDUSTRIES CORPORATION (FIC)

Market Economy treatment

50. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating Vietnam as non-market economy country as per para 8(2) of Annexure-1 of the Rules for the purpose of anti dumping investigation. However, the exporters in the Vietnam were sent MET questionnaire for rebutting the presumption of non-market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure I of the Rules. In response to the initiation, FIC submitted information to rebut presumption of non-market economy on the prescribed format. On the spot verification of the information submitted was also carried out. In this regard, it has been noted that FIC is held by companies based in Chinese Taipei. The Annual Reports of holding companies show the investment made by

these companies in FIC, Vietnam. The Board of Directors represent these holding companies. The land has been taken by the company for 50 years on lease from a company named NGHIA Import-Export Company (TIMEXCO). As the company has been set up by the private companies of Chinese Taipei, therefore, distortion carried over from the former non-market economy system was not detected. The raw materials are purchased by the company from the related companies in Taiwan which also sells the raw materials to unrelated customers. No material differences in prices on purchase of raw materials have been found. Other parameters as provided in para 8(3) of the rules were also examined. However, no final decision has been taken concerning market economy status in view of the non-cooperation of the entity through which the exports were effected during POI.

Normal Value for Vietnam

51. For the purpose of Normal Value, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8). For this purpose, the home sale transactions provided by FIC have been taken into consideration. As the PCN of export sales to India and domestic sale were same, therefore, all transactions of home sale for comparable PCN have been taken into consideration for determination of the normal value. For domestic sale, expenses on account of inland freight and packing were claimed and were found to be correct during on the spot verification. The domestic sale transactions were also found to be above the cost of sale, therefore, all transactions have been taken into consideration for determination of the normal value for relevant PCN. For each PCN weighted average normal value have been determined for determination of the dumping margin. The weighted average normal value for all domestic sale of relevant PCN have been calculated as US\$***/Kg..

Export price for Non-cooperating Exporters

52. The exporter provided transaction-wise data on the export sales to India. From the information it was noticed that the shipments were made directly from Vietnam to India, however, sales were first made to a trader in Chinese Taipei who in turn made sale to Indian customers. Before the preliminary findings, information by the trader in Chinese Taipei was not provided to complete the chain of transactions to India; therefore, separate dumping margin was not determined for the FIC. After the preliminary findings, the transaction-wise export sale information was provided by the trader. As the chain of export transactions have been completed, therefore, the authority verified the information provided by FIC. The trader was asked to provide copies of invoices so that actual export prices to India could be verified. The Trader refused to cooperate and did not supply the requisite information and even did not reply to letter of the authority. In view of non cooperation of the trader, export price

cannot be determined. Therefore, the Authority has not determined separate export price for the FIC.

53. To determine the export price from non-cooperating exporters' details of the transaction wise export made to India by Immortal Computer Lab Pvt. Ltd have been taken into account. As the transactions are on CIF basis therefore to determine ex-factory export price, the expenses incurred on account of export to India have been adjusted. For this purpose the expenses declared by the FIC has been taken into account and adjusted. In respect of freight and insurance no information was made available by FIC, therefore information provided by domestic industry has been relied on for adjustments. By this methodology the ex-factory export price has been determined as \$ 11/kg.

Thailand

54. M/s. Thai Polyester Co. Ltd., responded to the initiation of notification and provided the detail about the domestic and export sale transactions. During the examination it was noticed that the business to India has been transacted through a trader in another country. The exporters stated that the prices to trader may be taken as export price to India, however no details of export price to India by trader were provided. As the chain of transactions to India were not fully established, therefore, separate dumping margin for this exporter has not been determined.

Submissions made by Indopoly (Thailand) Ltd.

55. There are no differences in the goods sold in the home market and goods exported to India. The SDY produced is categorized into two gradations which are A Quality and PQ Quality. The latter products (PQ grade) are mostly shipped to India and domestic markets and are without any dyeing guarantees and they are produced from a lower graded raw material and utilized, reused packing material and lubricants. It was further clarified that during the production process by use of downgraded PTA and MEG, PQ grade of SDY are produced. The cost of downgraded raw materials is comparatively lower.

56. During the verification it was noted that the company showed the record for separate production of the inferior grade for one type of denier. For the other denier no separate production information was made available. It has further been noted that even for the inferior grade, the domestic sales transactions were made below the cost of sale. Therefore, the domestic sale transactions have been discarded and the normal value for this grade have been determined by adding profit @5% to the cost of sale. For other deniers for which comparable grade were not available in domestic sale, the cost of sale for prime grades have been taken into consideration and profit @5% have been added to construct the normal value. For prime grades for which comparable sales were available, the same has been taken into consideration.

57. Further It was informed that Indopoly (Thailand) Ltd. (IPL) is transferring its entire business to Indorama Polyester Industries Public Company Limited (formerly known as 'Tuntex Textiles Public Co. Ltd.') with effect from August 03, 2009. Further a declaration has been submitted that 'Indorama Polyester Public Company Limited (formerly known as 'Tuntex, (Thailand) Public Company Limited has neither produced nor sold any SDY product during October 2006 to September 2007'. In this regard, copies of the consolidated financial statement have also been submitted. After disclosure statement, it was intimated that with effect from 1.8.2009 as a result of merger, the business, assets and liabilities have been transferred to M/s Indorama Polyester Industries Public Limited. It has also been stated that subsequent to the merger, the entire business operations such as sales, purchases etc. of M/s Indopoly (Thailand) Limited will be done in the name of M/s Indorama Polyester Industries Public Limited. It has further been stated that 'M/s Indopoly (Thailand) Limited, post the BTA has been dissolved'. In this regard, copies of the affidavit (in original and its translation) before the appropriate authority and copies of certificate (in original and its translation) from Liquidator of the Company stating that M/s Indopoly (Thailand) Limited has been dissolved. The Authority has taken note of this development and the change has been reflected at appropriate places in the findings.

Normal value for Thailand

Normal value for Indopoly (Thailand) Ltd

58. The exporter has provided transaction wise details of domestic sale for the purpose of determination of normal value. All transactions have been taken into consideration to calculate weighted average PCN wise normal value. To determine the normal value at the ex-factory level, the exporter has provided details of expenses incurred in making sale and wherever necessary the same has been taken into account. The expenses on account of credit cost, commission, freight and handling have been adjusted to determine PCN wise weighted average normal value. The expenses were also claimed on CTS and insurance on domestic sale. In respect of insurance, it was noted that this expense is common to both domestic and export sales, as it has not been adjusted in the export sales, therefore, the same has also not been adjusted for determination of normal value. Concerning CTS, it was explained that expenses on the technical service provided in respect of domestic sales. As no specific documentary proof was provided for these expenses, therefore, the same has been disallowed. By this methodology the weighted average normal value has been calculated as \$***/kg.

Normal value for non cooperating exporters from Thailand

59. For non cooperating exporters, all domestic sales price of cooperating exporter have been taken into consideration. The expenses of cooperating

exporter has been adjusted to determine the normal value. By this methodology the weighted average normal value has been calculated as \$***/kg.

Export Price for Cooperating Exporters

INDO POLY (THAILAND) LTD.

60. The exporter has provided transaction wise details of exports to India during the period of investigation. For the purpose of determining export price, all transactions of exports have been taken into consideration. During the verification it was noted that some invoices shows prime quality whereas it was claimed by the exporter as PQ grade. In support of the claim, the exporter during verification submitted back-up evidence in the form of packing list etc.. The Authority has however relied on information provided in the invoices and taken the same as prime grade. Other transactions have been considered to be of PQ grade as claimed by them. By taking into account the transactions PCN-wise, weighted average export price has been determined.

61. The expenses incurred on account of local transportation, oversees freight, insurance, bank charges and other expenses claimed by exporter and verified during on the spot verification have been adjusted to arrive at ex-factory export price. By this methodology the ex-factory weighted average export price has been determined as \$***/kg.

Export price for Non-cooperating Exporters.

62. To determine the export price from non cooperating exporters details of the transaction wise export made to India by Immortal Computer lab Pvt. Ltd. have been taken into account. As the transactions are on CIF basis therefore to determine ex factory export price, the expenses incurred on account of export to India have been adjusted. For this purpose the expenses declared by the cooperating exporter had been taken into account and adjusted. By this methodology the ex-factory export price has been determined as \$ ***/kg.

Dumping Margin

63. The dumping margins have been determined by using weighted average to weighted average methodology. For this purpose, weighted average export prices of relevant PCNs have been compare with normal value of relevant PCNs. After determining dumping margin for relevant PCNs, the weighted average has been calculated depending upon the weight of each PCN. Based on the weighted average normal value and weighted average export price as determined above, dumping margins determined are as under:

	NV	EP	DM	DM%
CHINA PR TONGKUN GROUP CO LTD	***	***	***	19.29
TONGKUN GROUP ZHENG CHEMICAL FIBRE CO LTD	***	***	***	18.30
JIANGSU HENG CHEMICALS FIBRE CO LTD	***	***	***	18.03
Non Cooperating Exporters from China PR	***	***	***	48.32
VN - AM Non Cooperating Exporters from Vietnam	***	***	***	24.5
THAILAND M/S Indosila Polyester Industries Public Limited Formerly INDO POLY THAILAND LTD	***	***	***	6.76
Non Cooperating Exporters from Thailand	***	***	***	44.8

The above determined dumped margin is more than *de minimis*.

E METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

E.1 Views of the domestic industry

The domestic industry made the following submissions:-

64. The share of imports from the subject countries has increased from 4.83% in April 04-March 05 to 89.64% during the period of investigation. It may also be seen that during the FOI, imports from the subject countries have increased to almost 24 times of the imports for the year April 04-March 05. It clearly indicates that the imports from subject countries have been able to capture a higher market share due to aggressive policy of price undercutting adopted by the exporters from the subject countries.

65. Further, imports from the subject countries in comparison to the total imports in India have increased from 1.45% during April 04-March 05 to 20.37 % during the period of investigation.

66. The imports from subject countries as percentage of domestic production of the petitioners have increased from a level of 4.33% in the year April '04-March '05 to 39.24% during the period of investigation. Thus, the imports from the subject countries have increased not only in absolute terms but also as a share to total imports into India, market demand and domestic production.

67. It has been submitted that the landed value from the subject countries has further come down during the period of investigation as compared to previous two years from already a lower level of landed value whereas the domestic industry was under consistent pressure and could not increase its selling prices. The domestic selling prices have in fact come down over the injury investigation period causing injury to the domestic industry.

68. The share of the domestic industry has increased over the injury investigation period on account of the fact that the demand has increased by 73% over the same period. The market share of the domestic sales also increased as a result of imposition of duties against Indonesia, Korea, Malaysia and Taiwan in a previous investigation. However, it may be noted that as against a total increase of 73% in demand, the share of the domestic sales could increase only 7% clearly depicting that the volume of the domestic sales have been affected.

69. The capacity utilization of the domestic industry has increased from 83% in the year April '04-March '05 to 96% during the period of investigation. The analysis of the capacity utilization in the present case would not provide sufficient information about the impact of injury to the domestic industry. The capacity for the subject goods is dependent upon various factors. For example, the high denier would result into higher production as compared to lower denier.

70. The productivity per employee during the period of investigation has improved as compared to base year 2004-05.

71. The domestic sales have increased over the injury investigation period as a result of decline in volume of the subject countries in the previous investigation and increase in demand. However, the sales realization of the domestic industry has not improved and has come down over the injury investigation period due to the presence of dumped imports from subject countries.

72. There is no adverse effect on the number of employees and the wages paid to them.

73. Dumping by the subject countries had a significant adverse impact on the net sales realization of the domestic industry for the subject goods. It has been submitted that due to the large scale price undercutting adopted by the exporters from subject countries, the domestic industry was not able to get any price differential than the other players of Indian domestic market.

increase over the injury investigation period. Therefore, the profitability of the domestic industry remained negative throughout the investigation period.

74. It has been submitted that as a result of decline in selling prices of the domestic industry, the DI could not earn desirable returns on its investment.

75. The inventories of the domestic industry have increased clearly showing the difficulty being faced by the domestic industry to sell the subject goods during the period of investigation.

76. It has been stated that the landed value of the product under consideration from each subject country is much lower than the prices the domestic industry ought to have realized on the sales of the subject goods. The injurious effect of this high level of price underselling has had a direct and deleterious effect on the financial performance of the domestic industry.

77. The injury to the domestic industry due to the dumped imports is further accentuated by the fact that not only the subject goods are being heavily undersold, the exporters from the subject countries are also indulging in significant price undercutting. Thus, there is a constant pressure on the domestic industry to bring down their prices lower than even the current prices, which are not at all remunerative.

78. It has been submitted that the cash profit of the domestic industry was at a meager level of ***% during the period of investigation clearly showing an injury to the domestic industry.

79. It has been submitted that the demand in the country has increased by 73% during the period of investigation as compared to base year 2004-05 whereas the market share of the domestic sales has increased only 8.72% over the same period.

80. The ability of the domestic industry to raise capital investment for any further expansion of capacity is not feasible in view of the low returns during the period of investigation.

81. In addition to the fact that material injury is being caused to the Domestic Industry, the threat of material injury to the Domestic Industry is imminent.

82. The imports from the subject countries have shown a significant increase during the period of investigation as compared to the preceding period. The imports have gone up from 1610 MT in April 2004-March 2005 to 39137 MT during the POI.

83. Imports from the subject countries are coming at extremely low prices which do not allow the domestic industry to even recover its cost. The domestic

industry is operating at a loss due to current severe undercutting by the subject countries despite suppressed prices of domestic industry. It is becoming very difficult for the petitioners to operate at present and the survival of the domestic industry is equally becoming difficult. Therefore, an immediate action to curb the present dumping from the subject countries would be in the interest of domestic industry.

84. The Domestic Industry also understands that there are huge disposable capacities and surplus production in the subject countries, which is likely to find its way into the Indian market if anti-dumping duties are not immediately imposed.

85. With respect to exporters' inventories, The DI could not find any evidence for the same.

Concerning Causal link it has been submitted:

86. The imports of subject goods from sources other than China, Indonesia, Korea, Thailand and Vietnam are *de minimis* during the period of investigation. The imports from Indonesia and Korea are subject to anti-dumping duty. Therefore, only the imports from the subject countries are being made at dumped prices and are above the *de minimis* limits causing material injury to the domestic industry. The imports from all other countries are below *de minimis*.

87. The demand in the period of investigation has increased over the injury investigation period. Hence, the decline in demand is not a cause of injury to the domestic industry.

88. There is a single market for the subject goods where dumped imports compete directly with the goods produced by the domestic industry. The price determines the choice of supplier. The dumped goods are substituting the product of the indigenous producers. The imported product is also sold to meet the similar commercial grades, standards and specifications, as domestically produced subject goods. The imported goods and the domestically produced goods are like articles and are used for the same applications/end uses. Thus, pricing becomes the most important factor for purchasing the article either from imported sources or domestic sources. The domestic industry is not realizing reasonable selling price / profit with respect to subject products. This can be directly attributed to the low priced imports from the subject countries as the domestic industry is always expected to match the prices offered by the importers from the subject countries. It may also be mentioned that there are no trade restrictive practices or technology issues which can be attributed to the cause of injury to the domestic industry. The productivity of the domestic industry has also gone up and, therefore, has not caused any injurious effect on the financial state of the domestic industry. As regards the competition between the foreign and domestic producers, it has been submitted that the domestic industry

is suffering only on account of unfair trade due to dumped imports from the subject countries. If the imports take place at the fair normal prices, the domestic industry is totally in a position to face the competition from imports. It may be noted that the export sales volume are very little as compared to the domestic sales. Hence, the export performance of the domestic industry in no way has affected the financial and economic situation of the petitioner in the domestic market. In any case, the injury analysis reflected in the preceding section does not include the export sales.

Retrospective Application of Anti-dumping Duties

89. The product under consideration is not only being dumped by the subject countries in the present case but has also been dumped by the subject countries in the previous investigation. The subject goods have been continuously dumped for the past 3-4 years. The domestic industry, therefore, requests the Authority to kindly impose the provisional anti-dumping duties retrospectively at the earliest. In this connection, the attention of Authority has been drawn to the section 9A (3) of the Custom Tariff Act and Rule 20 of the Indian Anti-dumping Rules read with section 9A(2) and Rule 13 providing for the imposition of retrospective duties ~~and in the circumstances under which such retrospective duties can be imposed. The section 9A(3) and Rule 20(b) read as follows:~~

"9A(3). If the Central Government, in respect of the dumped article under inquiry, is of the opinion that -

(i) there is a history of dumping which caused injury or that the importer was, or should have been, aware that the exporter practices dumping and that such dumping would cause injury; and

(ii) the injury is caused by massive dumping of an article imported in a relatively short time which in the light of the timing and the volume of imported article dumped and other circumstances is likely to seriously undermine the remedial effect of the anti-dumping duty liable to be levied,

the Central Government may, by notification in the Official Gazette, levy anti-dumping duty retrospectively from a date prior to the date of imposition of anti-dumping duty under sub-section (2) but not beyond ninety days from the date of notification under that sub-section and notwithstanding anything contained in any law for the time being in force, such duty shall be payable at such rate and from such date as may be specified in the notification.

Rule 20(2)(b), in the circumstances referred to in sub-section (3) of section 9A of the Act, the anti-dumping duty may be levied retrospectively from the date commencing ninety days prior to the imposition of such provisional duty.

Provided that no duty shall be levied retrospectively on imports entered for home consumption before initiation of the investigation.

Provided further that in the cases of violation of price undertaking referred to in sub-rule (6) of rule 15, no duty shall be levied retrospectively on the imports which have entered for home consumption before the violation of the terms of such undertaking."

90. It is clear from the above that for retrospective imposition of anti-dumping duties, there is a history of dumping which caused injury to the domestic industry. In the instant case also, there is a history of dumping and the injury to the domestic industry has been caused. The Designated Authority has also concluded in the previous investigation that the dumping and injury has been caused to the domestic industry. It can be seen that the imports from subject countries have gone up significantly from 1610 MT to 39137 MT since 2004-2005. At the same time, the imports (in % terms) have almost doubled in the POI as compared to the immediately preceding year. It is significant to note that the imports have gone up significantly in absolute as well as relative terms subsequent to the imposition of anti-dumping duties on certain countries clearly indicating that the injury is caused by massive dumping in a relatively short time. In the present case also the imports from China, Thailand and Vietnam account for 89.64% of the total imports in the period of investigation rising from 4.83% in the base year.

E.2 Examination by the Authority

Cumulative assessment of injury

91. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- I. The imports from individual countries are above de minimis or cumulatively account for more than 7% of imports;
- II. The dumping margin against individual countries are above 2%; and
- III. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles

92. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from several countries, including the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:

- i) The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the de minimis limit;

3605 G 8/09-9

- ii) The volume of imports of individual products from each of the subject countries/territories is more than the de minimis;
- iii) The domestic product and product supplied by producers in various countries are like articles;
- iv) Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;

93. The Authority holds that cumulative assessment of injury is appropriate in this case since the exports of individual products from the subject countries are directly competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

94. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that

"A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products."

95. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

Volume and market share in dumped imports

96. Imports volume from subject countries and other countries has been as under:

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Imports from Subject Countries (MT)	1610	13252	31397	39137
Total Imports (MT)	33368	33438	56953	43659
% Share	4.83%	39.63%	55.13%	89.64%

97. The data shows that share of imports from the subject countries has increased from 4.83% in April 04-March 05 to 89.64% during the period of investigation. It has also been seen that during the POI, imports from the subject countries have increased to almost 24 times of the imports for the year April 04-March 05. During the same period imports from other countries declined from 31757 MT to 4522 MT in POI i.e. 14.23% from base year indicating that imports from subject countries have captured share of imports from other countries after imposition of anti dumping duty on some countries.

Market share in demand

98. The demand has been calculated by addition of sales of Domestic Industry, other producers (estimate provided by DI) and imports from all countries. The data shows that the demand has increased by 74% in POI from base year. In quantitative terms the demand has increased by 81033 MT. The share of domestic industry has increased from 37.8% in base year to 51.6% in POI. In quantitative terms, the DI and other producers have increased the sale by 70742 MT against increase in demand of 81033 MT. The subject countries have increased share in demand from 1.5% in base year to 20.5% in POI where as share of other countries declined from 29% to 2.37% in the same period. The share of total imports in demand has declined from 30.4% to 22.88%.

99. The demand has also been calculated by taking into account the captive consumption and exports. The share in demand of DI, other producers, imports from subject countries, imports from other countries and total imports shows similar trends.

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Demand				
Sales of domestic industry	36043	43161	78940	98365
Trend	100	120	219	273
Sales of other producers	40355	41569	48647	48774
Trend	100	103	121	121
Total Import(MT)	33368	33438	56953	43659
Total Demand	109765	118168	184541	190798
Trend	100	108	168	174
Market Share In Demand				
Sales of domestic Industry (%)	32.84	36.53	42.78	51.55
Sales of other producers	36.76	35.18	26.36	25.56
Subject countries	1.46	11.21	17.01	20.51

Other countries	28.93	17.08	13.85	2.37
Total Imports	30.40	28.30	30.86	22.88

100. Imports from the subject countries in comparison to the total demand in India have increased from 1.46% during April 04-March 05 to 20.51 % during the period of investigation.

Imports in relation to production of the domestic industry

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Imports from Subject Countries (MT)	1610	13252	31397	39137
Production (MT)	37227	51928	84403	99479
% Share	4.33%	25.52%	37.20%	39.34%

101. The data shows that imports as percentage of production of domestic industry has increased from 4.33% in the base year to 39.34% in the POI.

102. The data shows that the imports from the subject countries have increased not only in absolute terms but also as a share to total imports into India, market demand and domestic production.

Capacity, production & capacity utilization

103. Capacity, Production and Capacity Utilization of the domestic industry is given in the following table:

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Capacity (MT)	44869	55194	95290	101346
Trend	100	123	212	229
Production (MT)	37227	51928	84403	99479
Trend	100	139	227	267
Capacity Utilization%	82.97%	94.08%	88.57%	96.87%

104. The capacity of the domestic industry has increased from 44869 MT in 2004-05 to 101346 MT in the POI i.e. increased by 56477 MT(126%). The production during the same period increased from 37227 MT to 99479 MT i.e. by

62252 MT (167%). The capacity utilization (enhanced) increased from 82.97% in base year to 98.16% in the POI. It has been explained the capacity would change depending upon the change in composition of the product. The capacity for the subject goods is dependent upon various factors. For example, the high denier would result into higher production as compared to lower denier. Therefore the capacity utilization may not be correct indication of unutilized capacity of the domestic industry.

Sales

105. Sales Volume of the domestic industry is given in the following table:

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Sales of domestic Industry	36043	43161	78940	98365
Trend	100	120	219	273
Sales of other producers	40355	41569	48647	48774
Trend	100	103	121	121

106. The data shows that sales of domestic industry has increase from base year to POI by 62322 MT and other producers by 8420MT as against the increase in demand by 81033 MT. The sales of domestic industry (including captive consumption and export) increased by 71094 MT and other producers by 8420 MT against demand increase of 83163 MT.

107. The profitability, profits and cash flow of the domestic industry are given in the following table:-

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Cost of sales	***	***	***	***
Cost Rs/kg	***	***	***	***
Trend	100	96	102	99
Net Sales Realisation(in lacs)	***	***	***	***
NSR Rs/kg	***	***	***	***
Trend	100	96.50	99	95
Profit/ loss in Rs/ kg	***	***	***	***
Trend	100	100	6	-15
Profit/Loss	***	***	***	***
PBIT	***	***	***	***
Trend	100	116	105	70

Cash profit	***	***	***	***
Trend	100	109	107	97

108. The data of the domestic industry shows that the cost of sale per unit has declined to 99 (indexed) in POI as compared to 100 of base year. In terms of value the cost of sale declined by Rs. *** per kg. During the same period the net sales or realization of the domestic industry declined to 95 (indexed) in POI as compared to 100 of the base year. In terms of value the sale price declined by Rs. *** per kg. The profit per kg. turned to loss from 100 (indexed) in the base year to -15 in the POI.

109. The data on profits show that the profit deteriorated from base year to 2006-07 and turned to losses during POI.

Cash Flow

110. Authority notes that both the constituents of the domestic industry are multi products, multi-location companies. None of the companies maintain separate information regarding cash flow of the product under consideration. Authority, therefore, determined cash profit situation of the domestic industry, which shows that cash profit improved from base year to 2005-06 and again decreased during 2006-07 and POI. In indexed form, from 100 in base year it became 97 in POI.

Factors affecting domestic prices

111. During the injury period the basic custom duty declined from 20% in 2004-05 to 10% in 2006-07 and 7.5% from March 07 onwards in the POI. The cost of sale from base year in 2004-05 declined by Rs. 0.69 /kg in POI. The landed value from subject countries though, increased in 2005-06 and 2006-07. However it declined sharply in the POI. The undercutting of selling prices of the domestic industry by imports from subject countries were significant during injury period.

Price Undercutting

112. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, weighted average Net Sales Realisation(NSR) and the Non-Injurious Price(NIP) of the domestic industry (worked out on the basis of the costing information of the domestic industry) have been compared with landed value of imports from the subject countries.

113. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the weighted average landed value of dumped imports and the

domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, the rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted.

114. It has been noted that the price undercutting by imports from subject countries continued throughout the injury period. During the POI the undercutting from subject country was in the range of 10-25%.

Price Undercutting

Subject Countries

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Average Net selling price of the domestic industry	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***
Undercutting	***	***	***	***
Undercutting in %	***	***	***	***

	Subject countries	China	Thailand	Vietnam
Average Net selling price of the domestic industry	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***
Extent of Undercutting	***	***	***	***
% of Undercutting	***	***	***	***

Price Underselling

115. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producers by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The analysis shows that the landed values of subject goods from subject countries were much below the non-injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation. The underselling margin was within a range of 20-33% for subject goods from subject countries during the POI.

Price Underselling

	Subject countries	China PR	Thailand	Vietnam
NIP	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***
Underselling	***	***	***	***
% of Underselling	***	***	***	***

Return on capital employed

116. The Information regarding return on capital employed is given in the table below:

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Net Fixed Assets Rs. Lacs	***	***	***	***
Working Capital Rs. Lacs	***	***	***	***
Capital Employed Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	100	181	255	236
PBIT Rs. Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed – NFA %	***	***	***	***

117. The data shows that the capital employed has increased by 136% in POI as compared to base year. The capital employed has increased on account of capacity addition and increase in working capital. The return on capital employed decreased from base year to POI. The return on capital employed (NFA basis) remained positive, however, it declined from base year to POI. In indexed form, it declined from 100 in the base year to 30 in the POI.

Employment and Wages

118 Employment & Wages levels of the domestic industry is given in the following table:

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
No of Employees	***	***	***	***
Index	100	119	187	197
Wages Total (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Index	100	109	140	168

119. The data shows that number of employees increased by 97% in POI as compared to base year. The wages to employees increased by 68% during the same period.

Productivity

120. Productivity of the domestic industry, as reflected in terms of production per employee, is given in the following table

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Production(MT)	***	***	***	***
Employees	***	***	***	***
Production / Employee	***	***	***	***
Index	100	118	122	136

121. The productivity of the domestic industry i.e. production per employee improved by 36% during POI as compared to base year.

Growth

122. The demand, capacity, production and sales show positive growth. The cost of sale and selling price shows declining trend. The profitability (profit per unit) PBIT and return on capital employed shows negative growth.

Inventory

123. The inventories of the domestic industry have increased clearly showing the difficulty being faced by the domestic industry to sell the subject goods during the period of investigation.

	April 04 to March 05	April 05 to March 06	April 06 to March 07	POI-Oct 06 to Sep 07
Inventories Average Stock (MT)	***	***	***	***
Trend	100	65	155	310
Sales per day	***	***	***	***
Avg stock in terms sales days	***	***	***	***

A.1.1.1 to Raise Capital/investment

124. That the ability of the domestic industry to raise capital investment for any further expansion of capacity is not feasible in view of the low returns during the period of investigation

F. Conclusion

125. The production of goods have increased by 167%(62252 MT) in POI as compared to base year. The sales have also increased by 173% (62322 MT) against increase in demand of 173% (81033 MT). The sales of other producers (the estimate provided by DI) have also increased. The average inventory of stocks in terms of sale deals remains almost same during POI in comparison to base year. In this period the share in demand of the domestic industry has increased from 32.84% to 51.55% in POI. The share of subject countries increased from 1.46% to 20.51% in POI, however share of imports from other countries declined sharply from 28.88% to 2.36%. Consequently the share of total imports fell from 30.34% to 22.83% in POI. The data indicates that the domestic industry has been able to take advantage of increase in demand by increasing the sales, production, capacity utilization and share in demand.

126. The cost of sales has declined from 100(indexed) in the base year to 99 in POI i.e. by Rs. *** per kg., the selling price however declined to 95 (indexed) i.e. by Rs. ***per kg. the domestic industry was earning profit (per unit) in the base year and continued to earn profit during the injury period except in POI when there was a loss. The loss per unit in POI declined to -15 (indexed) from -100 in the base year. The EBIT however remained positive during injury period. The return on capital employed which was ***% during 2005-06 came down to ***% in POI.

F.1 Causal Link and Other Factors

Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices

127. From the details of the imports given in the foregoing paragraphs, it is clear that the imports of subject goods from sources other than China, Indonesia, Korea, Thailand and Vietnam are *de minimis* during the period of investigation. The imports from Indonesia and Korea are subject to anti-dumping duty. Therefore, only the imports from the subject countries are being made at dumped prices and are above the *de minimis* limits causing material injury to the domestic industry. The imports from all other countries are below *de minimis*.

Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

128. The Authority did not find any trade restrictive practices followed by the domestic industry or other Indian producers.

Contraction in demand or Changes in the pattern of consumption

129. It is noted that there is no contraction in the demand during the period under consideration. On the contrary, the overall demand has increased by 36% over the injury period. Therefore, possible decline in demand is not a factor which could have caused injury to the domestic industry. There is no argument by interested parties regarding the change in the pattern of consumption, nor has investigation shown possible changes in consumption pattern.

130. The demand in the period of investigation has increased over the injury investigation period. Hence, the decline in demand is not a cause of injury to the domestic industry.

Developments in Technology, Export performance and productivity of the Domestic Industry

131. None of the interested parties have raised any issue that these factors could have caused injury to the domestic industry. Further, the investigation has not revealed that technology for production of the subject goods has undergone any significant change. Domestic industry does not have significant exports except 2002-03, nor has export performance of the domestic industry declined. In fact, after 2002-03, exports by the domestic industry declined significantly in 2003-04 and increased thereafter.

Causal Link

132. On the subject goods Anti Dumping Duty was imposed in 2006 on imports from Indonesia, Korea ROK, Malaysia and Chinese Taipei. After imposition of Anti Dumping Duty on these countries, the imports declined significantly, however the imports from other countries increased substantially. In POI the subject countries have captured 89.64% share in the total imports. The undercutting by imports from subject countries continued in the range of 10-25% and underselling in the range of 18-30% indicating that the selling price of the domestic industry continued to be under pressure by dumped imports from subject countries. Consequently the improvement in 2005-06 in profitability and profits did not sustain and performance started declining in 2006-07 and POI. As compared to base year the profits (PBIT) improved, however return on capital employed after turning positive in 2005-06 started declining. The return on capital employed remained low.

133. The domestic industry continue to gain share in market by increasing its production, sale and capacity utilization, however the improvement in volume after imposition of Anti Dumping Duty on some countries did not result in improving the financial performance. The losses per unit except in 2005-06 continued. Similarly ROI also remain low except in 2005-06 when it showed improvement.

134. The above analysis indicate that imports from subject countries continued to put pressure on performance of domestic industry by undercutting its selling price indicating the causal link between dumped imports and performance of the domestic industry.

G. Conclusions

135. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

H. Indian Industry's Interest & Other Issues

136. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

I. Recommendations

137. In view of the above, the Authority considers it necessary and recommends definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder

138. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, Definitive antidumping duty equal to the amount indicated in Column-9 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central

Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

SN	Tariff Item	Description of Goods	Specifi cation	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measur ement	Currency
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	5402.47	All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn/Spin Draw Yarn/Flat Yam of Polyester (non-textured and non - POY)	Any	China PR	China PR	TONGKUN GROUP CO.LTD.	TONGKUN GROUP CO.LTD.	240	MT	USD
2	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	TONGKUN GROUP HENGSHENG CHEMICAL FIBRE CO.LTD	TONGKUN GROUP HENGSHENG CHEMICAL FIBRE CO LTD	247	MT	USD
3	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	JIANGSU HENGLI CHEMICALS FIBRE CO.LTD	JIANGSU HENGLI CHEMICALS FIBRE CO LTD	256	MT	USD
4	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	Any other than combination at Sr. no. 1 to 3 above		547	MT	USD
5	-do-	-do-	-do-	China PR	Any other than China PR	Any	Any	547	MT	USD
6	-do-	-do-	-do-	Any country other than countries attracting anti dumping duties	China PR	Any	Any	547	MT	USD
7	-do-	-do-	-do-	Vietnam	Vietnam	Any	Any	350	MT	USD
8	-do-	-do-	-do-	Vietnam	Any other than Vietnam	Any	Any	350	MT	USD
9	-do-	-do-	-do-	Any country other than countries attracting anti dumping duties	Vietnam	Any	Any	350	MT	USD
10	-do-	-do-	-do-	Thailand	Thailand	Indorama Polyester Industries Public Company Limited (formerly Indo Poly (Thailand) Ltd.)	Indorama Polyester Industries Public Company Limited (formerly Indo Poly (Thailand) Ltd.)	80	MT	USD
11	-do-	-do-	-do-	Thailand	Thailand	Any other than combination at Sr. no. 10 above		490	MT	USD

12	-do-	-do-	-do-	Thailand	Any other than Thailand	Any	Any	490	MT	USD
13	do	-do-	-do-	Any country other than countries attracting anti dumping duties	Thailand	Any	Any	490	Kg	Rs

139 Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 23th January, 2009, however duty recommended in para 138 above would be applicable from the date of imposition of provisional anti dumping duty as per Section 9A(2) of the Custom Tariff Act 1975.

140. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

R. GOPALAN, Designated Authority